आश्विन शुक्ल - 12 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 71 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 04-10-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 राहुल गांधी भारत विरोधी ताकतों के झंडाबरदार बन गए हैं : भाजपा

6 एक-दूसरे के पूरक हैं मनुष्य और पशु

7 मैं मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से कभी नहीं डरी : दीपिका पादुकोण

फर्स्ट टेक

ट्रंप ने हमास को कल तक की मोहलत दी

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दो टूक कहा कि अगर हमास गाजा पट्टी के लिए प्रस्तावित शांति समझौते पर रविवार शाम छह बजे तक सहमत नहीं होता है, तो चरमपंथी समूह को और अधिक हमलों का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, हमास के साथ रविवार शाम छह बजे (वाशिंगटन डीसी के समयानुसार) तक समझौता हो जाना चाहिए। उन्होंने लिखा, हर देश ने इस पर हस्ताक्षर कर दिए हैं! अगर समझौते के इस आखिरी मौके में सफलता नहीं मिलती है, तो हमास पर ऐसा कहर टूटेगा, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। पश्चिम एशिया में किसी न किसी तरह से शांति कायम की जाएगी। ट्रंप ने इस हफ्ते की शुरुआत में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ हुई बातचीत के बाद गाजा पट्टी में युद्ध समाप्त करने के लिए एक योजना पेश की थी।

अंडमान स्थित भारत का एकमात्र मिट्टी का ज्वालामुखी 20 साल बाद फिर सक्रिय

पोर्ट ब्लेयर/भाषा। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के बारातांग में दो दशक से अधिक समय से निष्क्रिय भारत का एकमात्र मिट्टी का ज्वालामुखी (मड वोल्केनो) फिर से सक्रिय हो गया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दो अक्टूबर को यह ज्वालामुखी बहुत ही भयानक ध्वनि के साथ फटा। अधिकारी ने कहा, यहां का मिट्टी का ज्वालामुखी धरती के अंदर सड़ रहे जैविक पदार्थों से उत्पन्न गैसों से बनता है। ये गैसें मिट्टी और गैस को सतह पर धकेलती हैं, जिससे बुलबुले बनते हैं और गड्ढों की संरचना उभरती है। यह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के दर्शनीय स्थलों में से एक है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, हमें बृहस्पतिवार (दो अक्टूबर) दोपहर करीब डेढ़ बजे बारातांग के जारवा क्रीक में एक मिट्टी के ज्वालामुखी में भीषण विस्फोट की सूचना मिली। इतना बड़ा विस्फोट आखिरी बार 2005 में हुआ था। विस्फोट के बाद कर्णभेदी आवाज आई, जो किसी धमाके जैसी थी।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने कम से कम 12 विमान खोए : वायुसेना प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने शुक्रवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय हमलों में एफ-16 जेट सहित कम से कम एक दर्जन पाकिस्तानी सैन्य विमान नष्ट हो गए या क्षतिग्रस्त हुए। उन्होंने पाकिस्तान द्वारा भारत को नुकसान पहुंचाने के दावे को ''मनोहर कहानियां'' बताया।

वायुसेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय कार्रवाई में पाकिस्तान में कई सैन्य ढांचों को भी नुकसान पहुंचा, जिनमें तीन स्थानों पर हैंगर, कम से कम चार स्थानों पर रडार, दो स्थानों पर कमान और नियंत्रण केंद्र और दो स्थानों पर रनवे शामिल हैं।

वह वार्षिक वायुसेना दिवस से कुछ दिन पहले एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न आतंकवादी समूहों द्वारा अपने ठिकानों को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थानांतरित करने की खबरों के बारे में उन्होंने कहा कि यह अपेक्षित था और भारतीय वायु सेना उनके ठिकानों पर सटीक निशाना लगाने के लिए अंदर तक जाकर हमला कर सकती है। उन्होंने कहा, हम उन्हें और उनके ठिकानों को नष्ट कर सकते हैं। इसलिए, हमारे विकल्प नहीं बदले हैं। इस मामले में हमारे विकल्प वही रहेंगे।

एयर चीफ मार्शल सिंह ने स्पष्ट संकेत दिया कि ऑपरेशन के दौरान प्रदर्शन के बाद भारत एस-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों के अतिरिक्त बैच खरीद सकता है।

विभिन्न सवालों के जवाब में, उन्होंने खुफिया रिपोर्टों और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के माध्यम से एकत्र किए गए सबूतों का हवाला देते हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को हुए नुकसान का विवरण दिया। उन्होंने कहा, खुफिया रिपोर्ट से हमें जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार इन हमलों के कारण, कम से कम चार जगहों पर रडार, दो जगहों पर कमान और नियंत्रण केंद्र, दो जगहों पर रनवे और फिर तीन अलग-अलग स्टेशन पर उनके तीन हैंगर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। उन्होंने कहा कि हमें एक सी-130 श्रेणी के विमान, एक ''प्रारंभिक चेतावनी व नियंत्रण प्रणाली'' श्रेणी के विमान और कम से कम चार से पांच लड़ाकू विमानों, जिनमें संभवतः एफ-16 शामिल हैं, को नुकसान पहुंचने के संकेत मिले हैं।

वायुसेना प्रमुख ने कहा कि 300 किलोमीटर से अधिक दूरी तक मार करने वाले लंबी दूरी के हमले के स्पष्ट सबूत हैं, जिसमें एफ-16 और जेएफ-17 श्रेणी के पांच आधुनिक लड़ाकू विमानों को भी निशाना बनाया गया।

अस्थिर दुनिया में भारत स्थिरता का आधार : आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि भारत का वृहद आर्थिक बुनियादी ढांचा लगातार मजबूत बना हुआ है और देश अस्थिर दुनिया में स्थिरता का आधार बन गया है। गवर्नर ने यहां कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन 2025 में देश की मजबूत बुनियाद का श्रेय कम मुद्रास्फीति, अच्छे विदेशी मुद्रा भंडार, कम चालू खाता घाटा और देश के बैंकों व कॉरपोरेट जगत के मजबूत बहीखाते को दिया। मल्होत्रा ने कहा, यह सरकार के नीति निर्माताओं, नियामकों और विनियमित संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों का नतीजा है। कुल मिलाकर, हाल की मुश्किलों के बावजूद अर्थव्यवस्था मजबूत वृद्धि के साथ अच्छी तरह से स्थिर होती दिख रही है। यह एक बड़ी उपलब्धि है, जो भारत को अस्थिर दुनिया में स्थिरता के आधार के रूप में स्थापित करती है।

'नए आपराधिक कानूनों से न्याय प्रक्रिया सरल हुई'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुरुक्षेत्र/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि तीन नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से न्याय प्रक्रिया सरल और समयबद्ध होगी। उन्होंने कहा कि 2026 के बाद किसी भी प्राथमिकी का निपटारा औसतन तीन साल में हो जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि नए कानून-- भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए)-- देश में आपराधिक न्याय प्रणाली को बदलने जा रहे हैं।

शाह हरियाणा के कुरुक्षेत्र में तीन नए आपराधिक कानूनों पर एक सप्ताह तक चलने वाली प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोगों में यह धारणा है कि यदि वे पुलिस थाने जाएंगे, तो उन्हें वर्षों तक न्याय नहीं मिलेगा।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि 2026 के बाद किसी भी प्राथमिकी का निपटारा औसतन तीन साल में हो जाएगा और न्याय सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि नए कानूनों के लागू होने के एक वर्ष में देश भर में दर्ज 53 प्रतिशत आपराधिक मामलों में आरोप पत्र 60 दिनों के भीतर, 65 प्रतिशत मामलों में आरोप पत्र 90 दिनों के भीतर दायर किए गए, जबकि हरियाणा में 71 प्रतिशत आरोप पत्र 60 दिनों के भीतर तथा 83 प्रतिशत आरोप पत्र 90 दिनों के भीतर दायर किए गए। शाह ने कहा कि नए आपराधिक कानून के लागू होने के बाद हरियाणा में दोषसिद्धि की दर दोगुनी होकर 80 प्रतिशत हो गई है।

एस-400 वायु रक्षा प्रणालियों की अतिरिक्त खेप खरीद सकता है भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत रूस से एस-400 सतह से हवा में मार करने वाली प्रक्षेपास्त्र प्रणालियों की अतिरिक्त खेप खरीदने पर विचार कर रहा है, क्योंकि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ये हथियार बहुत प्रभावी साबित हुए थे। मामले से परिचित लोगों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

ऐसा माना जा रहा है कि प्रस्तावित खरीद पर दिसंबर में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के दौरान नई दिल्ली और मास्को के बीच बातचीत हो सकती है।

भारत ने रूस के साथ एस-400 वायु रक्षा प्रक्षेपास्त्र प्रणाली की पांच इकाइयों को खरीदने के लिए अक्टूबर 2018 में पांच अरब अमरीकी डालर के समझौते पर हस्ताक्षर किए, जबकि अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि अनुबंध पर आगे बढ़ने से काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सेंक्शंस एक्ट (सीएएटीएसए) के प्रावधानों के तहत अमेरिकी प्रतिबंध लग सकते हैं। प्रक्षेपास्त्र प्रणाली के तीन स्क्वाड्रन की आपूर्ति पहले ही हो चुकी है।

भारत अपने नागरिकों, अखंडता की रक्षा के लिए किसी भी सीमा को पार कर जाएगा : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने 2016 की 'सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 के बालाकोट हवाई हमले और हाल में किए गए ऑपरेशन सिंदूर के जरिए यह दिखा दिया है कि देश अपने नागरिकों की रक्षा और भारत की एकता एवं अखंडता की रक्षा के लिए आवश्यकता पड़ने पर किसी भी सीमा को पार कर सकता है।

सिंह ने जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन (जीतो) द्वारा यहां आयोजित 'जीतो कनेक्ट' में कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले में निर्दोष लोगों को उनके धर्म के आधार पर मार दिया गया लेकिन भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादियों के खिलाफ हमले करते समय किसी को धर्म के आधार पर निशाना नहीं बनाया। उन्होंने कहा, सरकार ने पहलगाम आतंकवादी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा देने के मकसद से आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया। हमने वहां किसी भी सैन्य या असैन्य प्रतिष्ठान पर हमला नहीं किया। अगर हम चाहते तो हम ऐसा पहले भी कर सकते थे लेकिन हमने ऐसा नहीं किया।

सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार सैन्य और आर्थिक शक्ति बढ़ाने पर जोर प्रभुत्व हासिल करने के लिए नहीं, बल्कि धर्म, आस्था एवं मानवीय मूल्यों में निहित उन आदर्शों की रक्षा के लिए दे रही है जो भगवान महावीर की शिक्षाओं में प्रतिबिम्बित होते हैं। उन्होंने कहा, जब भारत के गौरव और सम्मान की बात आती है तो हमने कभी समझौता नहीं किया। चाहे वह 2016 की 'सर्जिकल स्ट्राइक' हो, 2019 के हवाई हमले हों या 2025 का ऑपरेशन सिंदूर, हमने साबित कर दिया है कि भारत की एकता एवं अखंडता के लिए और हर नागरिक के जीवन एवं देश की रक्षा के लिए, जब भी जरूरत होगी, हम किसी भी सीमा को पार कर जाएंगे।

पुतिन ने व्यापार असंतुलन कम करने का आदेश दिया

मोदी को 'संतुलित, बुद्धिमान' नेता बताया

मॉस्को/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत द्वारा भारी मात्रा में रूसी कच्चे तेल का आयात किए जाने के कारण पैदा हुए व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए नई दिल्ली से अधिक कृषि उत्पाद और दवाइयां खरीदने सहित विभिन्न उपाय करने के आदेश दिए हैं।

पुतिन ने बृहस्पतिवार को वल्दाई पूर्ण सत्र में यह भी कहा कि वह दिसंबर की शुरुआत में होने वाली भारत की अपनी यात्रा और ''मेरे मित्र एवं हमारे विश्वसनीय साथी प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी'' से मुलाकात को लेकर उत्साहित हैं। पुतिन दिसंबर की शुरुआत में एक वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत की यात्रा करेंगे। उन्होंने भारत की राष्ट्रवादी सरकार की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी को एक ''संतुलित, बुद्धिमान और राष्ट्र हितैषी'' नेता बताया। पुतिन ने कहा कि वह उनके साथ भरोसेमंद बातचीत में सहज महसूस करते हैं। 'आरटी न्यूज चैनल' की रिपोर्ट के अनुसार, रूस के प्रमुख साझेदारों पर उच्च शुल्क और प्रतिबंध लगाने की अमेरिकी धमकी के बारे में सवाल किए जाने पर पुतिन ने कहा कि भारतीय लोग यह बर्दाश्त नहीं करेंगे कि उनके देश को उनके राष्ट्रीय हितों एवं प्राथमिकताओं के विपरीत कोई निर्णय लेने के लिए मजबूर किया जाए। उन्होंने कहा, (भारत) कभी किसी को स्वयं को अपमानित नहीं करने देगा। मैं प्रधानमंत्री मोदी को जानता हूं, वह भी ऐसा कोई निर्णय नहीं लेंगे।

पुतिन ने दक्षिण रूस के सोची स्थित काला सागर रिसॉर्ट में भारत सहित 140 देशों के सुरक्षा एवं भू-राजनीतिक विशेषज्ञों के अंतरराष्ट्रीय वल्दाई चर्चा मंच को बृहस्पतिवार शाम संबोधित करते हुए कहा, अमेरिका के दंडात्मक शुल्कों के कारण भारत को होने वाले नुकसान की भरपाई रूस से कच्चे तेल के आयात से हो जाएगी, साथ ही उसे एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठा भी मिलेगी।

भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था बाहरी झटकों को झेलने में सक्षम : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि विश्व, व्यापार एवं ऊर्जा सुरक्षा में ''गंभीर असंतुलन'' का सामना करने के साथ ही संरचनात्मक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और ऐसे समय में भारत 'स्थिरता कायम करने वाली शक्ति' के रूप में सामने आया है जो बाहरी झटकों को झेलने में सक्षम है।

सीतारमण ने यहां कौटिल्य आर्थिक शिखर सम्मेलन 2025 में कहा कि भू-राजनीतिक संघर्ष बढ़ रहे हैं और प्रतिबंध व शुल्क वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को नया रूप दे रहे हैं। ''ऐसे में भारत को सतर्क रहना होगा और परितोष की कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा, युद्ध एवं रणनीतिक प्रतिद्वंद्विताएं सहयोग व संघर्ष की सीमाओं को नए सिरे से परिभाषित कर रही हैं। जो गठबंधन कभी मजबूत दिखते थे, उनकी परीक्षा हो रही है और नए गठबंधन सामने आ रहे हैं। भारत के लिए ये गतिशीलताएं, संवेदनशीलता एवं लचीलेपन दोनों को उजागर करती हैं। झटकों को सहने की हमारी क्षमता मजबूत है। साथ ही हमारी आर्थिक क्षमता भी बढ़ रही है।

सीतारमण ने कहा कि विश्व अभूतपूर्व वैश्विक अनिश्चितता एवं अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है और देशों के समक्ष चुनौती केवल अनिश्चितता से निपटने की नहीं बल्कि व्यापार, वित्तीय एवं ऊर्जा असंतुलन से निटपने की भी है।

मंत्री ने 'अशांत समय में समृद्धि की तलाश' विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए कहा, इसलिए, हमारे सामने चुनौती केवल अनिश्चितता से नहीं बल्कि असंतुलन से निपटने की भी है। हमें खुद से सवाल करना होगा कि हम एक ऐसी वैश्विक व्यवस्था कैसे बना सकते हैं जहां व्यापार निष्पक्ष हो, ऊर्जा सस्ती एवं टिकाऊ हो और जलवायु परिवर्तन से निपटने की कार्रवाई विकास की अनिवार्यताओं के अनुरूप हो...?'' उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को ऐसे विचारों पर काम करने की जरूरत है, जो कल के पदानुक्रमों के बजाय आज की वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करें। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि विकासशील देशों की आवाज नियम-निर्माण में हाशिए पर न रहे, बल्कि भविष्य को आकार देने में उनकी आवाज को बल मिले।

सीतारमण ने इसके अलावा कहा कि अव्यवस्थाएं इस नए वैश्विक युग को परिभाषित करती हैं, जिसमें व्यापार प्रवाह को नया रूप दिया जा रहा है।

रूस ने यूक्रेन की प्राकृतिक गैस सुविधाओं को निशाना बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। रूस ने यूक्रेन की सरकारी स्वामित्व वाली गैस कंपनी नाफ्तोगाज समूह द्वारा संचालित प्राकृतिक गैस संयंत्रों को बृहस्पतिवार रात निशाना बनाया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यूक्रेनी वायु सेना के अधिकारियों ने बताया कि रूस ने यूक्रेन पर बृहस्पतिवार रात 381 ड्रोन और 35 मिसाइल से बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए। उन्होंने इन हमलों को सर्दियों से पहले यूक्रेन में बिजली आपूर्ति सुविधाओं को नष्ट करने की कोशिश करार दिया।

नाफ्तोगाज समूह की मुख्य कार्यकारी सेरही कोरेत्स्की ने एक बयान में कहा, यह उन नागरिक सुविधाओं के खिलाफ जानबूझकर किया गया आतंकी कृत्य है, जो लोगों के सामान्य जीवन यापन के लिए जरूरी गैस उत्खनन और प्रसंस्करण सेवाएं प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा, इसका कोई सैन्य उद्देश्य नहीं है। यह रूस की द्वेषपूर्ण कार्रवाई का एक और उदाहरण है, जिसका एकमात्र मकसद सर्दियों के मौसम में यूक्रेन वासियों के जीवन में व्यवधान पैदा करना और उन्हें बिजली से वंचित करना है।

04-10-2025 सूर्यास्त 5:58 बजे	05-10-2025 सूर्योदय 5:58 बजे

BSE	NSE
81,207.17 (+223.86)	24,894.25 (+57.95)

सोना	चांदी
11,890 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	159,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कौआ चले

जिनके घर चूहों के फांके,
कहे स्वयं को मालामाल।
कर्जा माफी के दे वादे,
जो दिखते खुद ही कंगाल।
खुद के पास नहीं है उत्तर,
दूजे से नित करे सवाल।
इसको यूं भी कह सकते हैं,
कौआ चले हंस की चाल।।

प्रगतिशील भूमि नीतियों ने गुजरात को प्रेरणास्रोत बना दिया है : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने शुक्रवार को कहा कि नागरिक केन्द्रित शासन और प्रगतिशील भूमि नीतियों ने राज्य को प्रेरणास्रोत और देश के लिए विकास इंजन बना दिया है। पटेल ने गांधीनगर में भूमि प्रशासन और आपदा प्रबंधन संबंधी दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने मौजूदा लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि,यह राष्ट्रीय सम्मेलन डिडिटल इंडिया, भूमि प्रशासन और आपदा प्रबंधन पर है जो विकास, आर्थिक प्रगति और सामाजिक न्याय की जरूरतों से जुड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे जन केन्द्रित और प्रौद्योगिकी से जोड़कर शासन को नई दिशा दी है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग द्वारा गुजरात सरकार के राजस्व विभाग के सहयोग से महात्मा मंदिर कन्वेन्शन सेन्टर में यह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। एक विज्ञप्ति के अनुसार, सम्मेलन में चर्चा के कुछ प्रमुख विषयों में डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम का कार्यान्वयन, राजस्व कानूनों का आधुनिकीकरण, भूमि अभिलेखों का उन्नयन, शहरी भूमि अभिलेखों का अद्यतनीकरण और आपदा प्रबंधन शामिल हैं। पटेल ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में, प्रधानमंत्री मोदी ने देश को भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी प्रशासन प्रदान किया है तथा भूमि सुधारों के साथ-साथ, सुशासन के कई नए मानक स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा, हमारी भूमि हमारी सभ्यता की नींव और हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। केंद्र सरकार ने डीआईएलआरएमपी शुरू किया है, जो पारदर्शिता और सुशासन को पुन: परिभाषित करता है और देश भर में गरीबों, वंचितों और जरूरतमंदों के लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित करता है। पटेल ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर मोदी ने 2005 में ई-धारा योजना के माध्यम से भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण किया ताकि किसानों को सरकारी दफ्तर के चक्कर लगाने की समस्या से निजात मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात में आईओआरए (एकीकृत ऑनलाइन राजस्व अनुप्रयोग) पोर्टल भी पारदर्शी और विश्वसनीय प्रशासन के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इस माध्यम से 35 से अधिक भूमि अभिलेख संबंधी सेवाओं को ऑनलाइन किया गया है। उन्होंने कहा कि नई पहल से लाखों लोग निर्विवाद रूप से अपनी जमीन के मालिक बने हैं। संपत्ति को लेकर कई पारिवारिक विवादों का सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटारा किया गया है। पटेल ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में, हमने प्राकृतिक आपदाओं के दौरान 'कोई हताहत नहीं हो' दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से लागू किया है। हालांकि, हाल के वर्षों में प्राकृतिक आपदाओं की संख्या बढ़ने से भूमि प्रशासन और आपदा प्रबंधन के लिए एकीकृत दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक हो गया है।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की। राधाकृष्णन ने पिछले महीने उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस मुलाकात की तस्वीर भी साझा की है।

उत्तराखंड में वन्यजीव हमले में मौत पर परिजनों को 10 लाख रुपए की सहायता दी जाएगी : धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को वन्यजीव हमले में जनहानि होने पर परिजनों को दी जाने वाली सहायता राशि को बढ़ाकर 10 लाख रुपए करने की घोषणा की। यहां देहरादून चिड़ियाघर में वन्यजीव प्राणी सप्ताह की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में वन्यजीवों के हमले में जनहानि होने पर परिजनों को सहायता राशि के रूप में 10 लाख रुपए दिया जाएगा।

उत्तराखंड में वन्यजीवों के हमले में मृत्यु होने पर फिलहाल छह लाख रुपए का मुआवजा दिया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के सामूहिक प्रयासों से बाघ, गुलदार, हाथी, हिम तेंदुए जैसे वन्य प्राणियों की संख्या में उत्साहजनक वृद्धि हुई है, लेकिन इसके साथ ही मानव-वन्यजीव संघर्ष की चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष को कम करने के लिए आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक उपायों का उपयोग किया जा रहा है।

धामी ने कहा कि वन विभाग को ड्रोन और जीपीएस की तकनीकी सुविधा दी जा रही है ताकि वन्यजीवों की निगरानी और सुरक्षा और बेहतर ढंग से हो सके। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों के लिए आजीविका के नए अवसर पैदा किए जा रहे हैं ताकि वे जंगलों की रक्षा और वन्यजीवों की सुरक्षा में सक्रिय भागीदार बन सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने एक लाख युवाओं को 'सीएम यंग ईको-प्रिन्योर' बनाने की बात कही थी जिसके तहत 'नेचर गाइड, ड्रोन पायलट, वन्य जीव फोटोग्राफर, ईको टूरिज्म, वन्यजीव पर्यटन आधारित कौशल कार्यों को एक उद्यम के रूप में परिवर्तित किए जाने की दिशा में काम आगे बढ़ चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की लगभग 14.77 प्रतिशत भूमि, छह राष्ट्रीय उद्यानों, सात वन्यजीव विहारों और चार संरक्षण आरक्षित क्षेत्रों के रूप में संरक्षित है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की हरियाली और इसमें स्वच्छंद विचरण करते वन्य जीव देश-विदेश से आने वाले लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटकों की सुविधाओं का ध्यान रखने के साथ-साथ राज्य सरकार वनों के प्राकृतिक स्वरूप को अक्षुण्ण बनाए रखने और वन्य जीवों को सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

विनिर्माण संयंत्रों से नए वाहनों को सीधे घाटी लेकर पहुंची नई ट्रेन

श्रीनगर/भाषा। उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल से शुक्रवार को कश्मीर को पहला 'ऑटोमोबाइल रेक' मिला, जो विनिर्माण संयंत्रों से सीधे नई गाड़ियों को घाटी लेकर पहुंचा। अधिकारियों ने बताया कि मारुति सुजुकी के मानेसर संयंत्र में निर्मित 116 वाहनों को लेकर ट्रेन शुक्रवार सुबह दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग स्थित माल गोदाम पहुंची।

कश्मीर में वाहनों के परिवहन की दिशा में यह 'ऑटोमोबाइल रेक' मील का पत्थर साबित हुआ है। रेल सेवाओं के अभाव में नए वाहनों को ज्यादातर जम्मू से घाटी में स्थित बिक्री केंद्रों तक पहुंचाना पड़ता था। 300 कि.मी. लंबे श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर जम्मू से नए वाहनों के परिवहन में मुश्किलें आती थीं, खासकर सर्दियों के मौसम में जब खराब मौसम और भूस्खलन के कारण सड़क अक्सर बंद रहती थी। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि ट्रेन के माध्यम से कश्मीर घाटी के लिए वाहनों की पहली खेप भेजने के साथ ही कंपनी भारत की पहली ऑटोमोबाइल निर्माता कंपनी बन गई है, जिसने इस क्षेत्र में वाहन भेजने के लिए भारतीय रेलवे की सेवाओं का उपयोग किया है।

एसबीआई के फैसले के खिलाफ अनिल अंबानी की याचिका खारिज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। बंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को भारतीय स्टेट बैंक के निर्णय को चुनौती देने वाली उद्योगपति अनिल अंबानी की याचिका को खारिज कर दिया। स्टेट बैंक ने उनके और रिलायंस कम्युनिकेशंस के खातों को धोखाधड़ी वाले खातों के रूप में वर्गीकृत किया है।

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और नीला गोखले की पीठ ने कहा कि याचिका में कोई दम नहीं है। फैसले की विस्तृत प्रति अभी उपलब्ध नहीं है। एसबीआई ने पिछले साल इन खातों को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किया था और आरोप लगाया था कि उसके द्वारा दिए गए ऋण की शर्तों का उल्लंघन करते हुए धन की हेराफेरी की गई है। अंबानी ने उच्च न्यायालय का रुख करते हुए तर्क दिया कि बैंक ने प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन नहीं किया है क्योंकि उसने उन्हें सुनवाई का अवसर नहीं दिया। याचिका में दावा किया कि कुछ दस्तावेज, जिनके आधार पर वर्गीकरण आदेश पारित किए थे, उन्हें शुरू में उपलब्ध नहीं कराए गए थे और छह महीने बाद दिए गए। बैंक ने इस साल सीबीआई में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद रिलायंस कम्युनिकेशंस और अंबानी के आवास से जुड़े परिसरों की तलाशी ली गई। सीबीआई ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक ने रिलायंस कम्युनिकेशंस और अनिल अंबानी द्वारा कथित गड़बड़ी के कारण 2,929.05 करोड़ रुपए के नुकसान का दावा किया था, जिसके बाद शिकायत दर्ज की थी।

भारत में हर साल 51 लाख लोगों के चिकनगुनिया की चपेट में आने की आशंका : शोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत को लंबे समय में चिकनगुनिया के सबसे बड़े प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है, जिससे हर साल 51 लाख लोगों को इस मच्छर जनित संक्रमण का खतरा हो सकता है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल (बीएमजे) वैश्विक स्वास्थ्य नामक पत्रिका में प्रकाशित एक वैश्विक अध्ययन से यह जानकारी सामने आई है।

अध्ययन के मुताबिक ब्राजील और इंडोनेशिया दूसरे तथा तीसरे सबसे अधिक प्रभावित देश हो सकते हैं। भारत और ब्राजील में इस बीमारी के कारण स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों तथा व्यक्तियों पर पड़ने वाले वैश्विक प्रभाव का 48 प्रतिशत हिस्सा है।

लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में किया गया यह अध्ययन बताता है कि दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभाव सबसे बड़ी चिंता का विषय होगा, तथा मौजूदा साक्ष्यों से पता चलता है कि लगभग 50 प्रतिशत प्रभावित लोग संभवत: दीर्घकालिक दिव्यांगता से जूझ रहे हैं।

अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि दुनिया भर में प्रति वर्ष 1.40 करोड़ से अधिक लोग दीर्घावधि में चिकनगुनिया संक्रमण के खतरे में रह सकते हैं।

इस अध्ययन के सहलेखक सुशांत सहस्त्रबुद्धे ने कहा, चिकनगुनिया जैसे विषाणुओं के वाहकों का संभावित प्रसार, वर्षों तक अनुसंधान करने के बाद भी नहीं रुकेगा। इसलिए यह हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है कि जिस मॉडल पर हम काम कर रहे हैं, उसे वास्तविक समय में साझा किया जाए और उसका उपयोग किया जाए, ताकि सार्वजनिक स्वास्थ्य पेशेवरों को मौजूदा चुनौतियों का प्रबंधन करने और भविष्य के लिए तैयारी करने में मदद मिल सके।

सुशांत सहस्त्रबुद्धे दक्षिण कोरिया के अंतरराष्ट्रीय वैक्सीन संस्थान में नवाचार, पहल और उद्यम विकास के एसोसिएट महानिदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

चिकनगुनिया एक वायरस है जो 'एडीज एजिप्टी' और 'एडीज एल्बोपिक्टस' मच्छरों के काटने से फैलता है, जिन्हें आमतौर पर पीला बुखार और टाइगर मच्छर के रूप में जाना जाता है। इसके लक्षणों में तेज बुखार और जोड़ों का गंभीर दर्द शामिल हो सकता है और लगभग 50 प्रतिशत रोगी दीर्घकालिक जोड़ों के दर्द और दिव्यांगता से पीड़ित होते हैं।

आंध्रप्रदेश में बाढ़ के चलते जान गंवाने वालों के परिवारों को चार-चार लाख रु. दिए जायेंगे: नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने राज्य के उत्तरी जिलों में भारी बारिश और बाढ़ के कारण जान गंवाने वाले चार लोगों के परिवारों को चार-चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की शुक्रवार को घोषणा की। अधिकारियों ने बताया कि विशाखापत्तनम के कांचरापालम में एक, श्रीकाकुलम जिले के मंदासा में दो और पार्वतीपुरम मान्यम जिले के कुरुपम में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

एक सरकारी बयान में कहा गया है, नायडू ने अधिकारियों को उत्तरी आंध्र के जिलों में मूसलाधार बारिश में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को चार-चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने का निर्देश दिया।

श्रीकाकुलम के जिलाधिकारी स्वप्निल दिनकर पुंडकर के अनुसार, जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण गोट्टा बैराज में 1.89 लाख क्यूसेक और थोटापल्ली में 44,000 क्यूसेक पानी आया है, जबकि वम्सधारा नदी में ओडिशा से 1.05 लाख क्यूसेक पानी आया है। नायडू ने अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त सड़कों और बिजली आपूर्ति को तुरंत बहाल करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बाढ़ से हुए फसल नुकसान का आकलन करने और भविष्य की जरूरतों के लिए जलाशयों को भरकर बाढ़ के पानी का उपयोग करने का भी निर्देश दिया।

'तकनीकी' समस्या के कारण मुंबई में भूमिगत मेट्रो ट्रेन खाली कराई गई

मुंबई/भाषा। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लि. (एमएमआरसीएल) ने बताया कि वर्ली जाने वाली एक भूमिगत मेट्रो ट्रेन में शुक्रवार दोपहर 'तकनीकी समस्या' आने के बाद उसे खाली करा लिया गया। एक बयान में इसकी जानकारी दी गई है।

एमएमआरसीएल ने बयान जारी कर बताया कि मुंबई मेट्रो लाइन-3 पर आचार्य अत्रे चौक की ओर जा रही ट्रेन पौने तीन बजे सांताक्रूज़ स्टेशन के पास पहुंचते समय खराब हो गई। हालांकि बयान में समस्या की प्रकृति का उल्लेख नहीं किया गया है, लेकिन कुछ यात्रियों ने ट्रेन के एक हिस्से में धुआं निकलने की शिकायत की। दूसरी ओर, एमएमआरसीएल के एक प्रवक्ता ने ट्रेन में आग या धुयें की बात से इनकार किया है। बयान में कहा है कि एहतियात के तौर पर ट्रेन को सांताक्रूज़ स्टेशन पर सुरक्षित रूप से खाली करा लिया गया और बाद में विस्तृत तकनीकी निरीक्षण के लिए बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स लूपलाइन पर ले जाया गया।

सचिव लंबित कार्यों को पूरा कर हिमाचल प्रदेश के विकास पर ध्यान केंद्रित करें : सुक्खू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

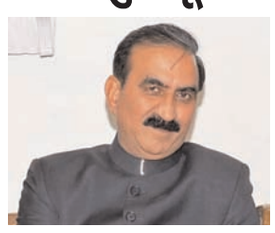

शिमला/भाषा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को सभी प्रशासनिक सचिवों को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने तथा लंबित कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि विकास परियोजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंच सके। यहां जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई।

इसके मुताबिक प्रशासनिक सचिवों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पहले दिन से ही सुशासन और हिमाचल प्रदेश के लोगों की बेहतरी सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने सभी सचिवों से हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर राज्य बनाने के लिए योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए समर्पण भाव के साथ काम करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्य सचिव विभागीय परियोजनाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा करेंगे।

सुक्खू ने निर्देश दिए कि कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार के साथ-साथ पर्यटन परियोजनाओं से संबंधित अन्य कार्यों में भी तेजी लाई जाए। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पर्यटन, ऊर्जा, खाद्य प्रसंस्करण और डेटा भंडारण क्षेत्रों को प्राथमिकता दे रही है और इन क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित कर रही है।

साइबरस्पेस साधनों का इस्तेमाल करके युवाओं के मन में अराजकता का बीज बोया जा सकता है : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि साइबरस्पेस में उपलब्ध साधनों का इस्तेमाल युवाओं के मन को ''हैक'' करने और अराजकता फैलाने के लिए किया जा सकता है।

फडणवीस ने यहां राज्य पुलिस मुख्यालय में साइबर जागरूकता माह के उद्घाटन के दौरान कहा कि महाराष्ट्र में सशस्त्र माओवादी विद्रोह लगभग समाप्त हो चुका है, लेकिन एक व्यक्ति का 'एक कमरे में बैठकर' लोगों के मन में भारत की संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ दुष्प्रचार करना एक बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि साइबरस्पेस न केवल संचार को सुगम बनाता है बल्कि यह आपके दिमाग को हैक भी कर सकता है।

फडणवीस ने कहा कि यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म पर, जैसे ही आप कोई वीडियो देखते हैं, वैसी ही सामग्री सामने आ जाती है। उन्होंने आगे कहा, यह एक ऐसा टूल है जो वास्तव में आपके दिमाग को हैक कर देता है। उन्होंने कहा, अब लोगों के दिमाग में अराजकता का बीज बोना आसान हो गया है। क्योंकि आप इसे बेहद निजी तरीके से बो सकते हैं... चैटबॉट व्यक्तिगत मनोवैज्ञानिक बन गए हैं, वे आपको परामर्श देते हैं। लेकिन साथ ही, इन सभी टूल्स के ज़रिए एक पूरी पीढ़ी का डेटा हैक किया जा सकता है और उन पर प्रयोग किए जा सकते हैं... उनके दिमाग में अराजकतावादी विचार डाले जा सकते हैं। हमें इस खतरे के बारे में सोचना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा दिमाग शुरुआती सालों में विद्रोही होते हैं और वे व्यवस्था से सवाल पूछते हैं, जो अच्छी बात है। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने आगाह किया कि इसका इस्तेमाल सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 'शहरी माओवाद' से उत्पन्न खतरा यह है कि यह लोगों के मन में भारत की संवैधानिक व्यवस्थाओं के बारे में नकारात्मकता पैदा करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में सशस्त्र माओवाद समाप्ति के कगार पर है, लेकिन यह नया खतरा सामने आया है। फडणवीस ने कहा कि बच्चों को कक्षा तीन से ही साइबरस्पेस में सुरक्षा के बारे में पढ़ाया जाना चाहिए।

एनसीईआरटी ने स्वदेशी पर केंद्रित मॉड्यूल शुरू किया

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने 'स्वदेशी' पर विशेष मॉड्यूल जारी किया है, जिसमें 1905 से लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भरता के आह्वान तक इस आंदोलन की यात्रा को दर्शाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस वर्ष लाल किले की प्राचीर से अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण में आत्मनिर्भर भारत को विकसित भारत का आधार बताया था। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों के साथ बातचीत में, प्रधानमंत्री ने पिछले महीने कहा था कि शिक्षक आमतौर पर अपने छात्रों को होमवर्क देते हैं, लेकिन वह बदलाव के लिए शिक्षकों को एक होमवर्क देना चाहते हैं - वह है स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल को प्रोत्साहन देने के लिए अपने छात्रों के साथ अभियान का नेतृत्व करना।

एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित दो मॉड्यूल - स्वदेशी: वोकल फॉर लोकल (मिडिल चरण के लिए) और स्वदेशी: आत्मनिर्भर भारत के लिए (माध्यमिक चरण के लिए) - में प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस के संबोधन के अंश शामिल हैं, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि आत्मनिर्भरता भारत को विकसित भारत की ओर ले जाएगी। मॉड्यूल में कहा गया, स्वदेशी आंदोलन भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान शुरू हुआ जब अंग्रेजों ने 1905 में बंगाल का विभाजन किया।...स्वदेशी के नारे ने लोगों से आयातित वस्तुओं को अस्वीकार करने और भारतीय निर्मित उत्पादों को अपनाने का आग्रह किया। इसमें कहा गया, स्वदेशी का आह्वान भारत के स्वतंत्रता संग्राम में सबसे शक्तिशाली हथियारों में से एक बन गया। स्वदेशी का अर्थ केवल विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार ही नहीं था, बल्कि इसका उद्देश्य भारतीय विकल्प तैयार करना भी था। एनसीईआरटी मॉड्यूल आत्मनिर्भरता के माध्यम से अंतरिक्ष, रक्षा और स्वास्थ्य में भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हैं।

अब तेल की जगह सोने की कीमत बन गई है वैश्विक अनिश्चितता का नया बैरोमीटर : मल्होत्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि शायद सोने की कीमत वैश्विक अनिश्चितताओं को दर्शाने वाले एक नए बैरोमीटर के रूप में काम कर रही है जबकि पहले कच्चा तेल ऐसा करता था।

मल्होत्रा ने वर्तमान में लगभग हर देश के वित्तीय रूप से 'काफी तनावग्रस्त' होने का जिक्र करते हुए कहा कि मौजूदा व्यापार नीति का माहौल कुछ अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि को नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने निवेशकों को सजग करते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों में गिरावट देखी जा सकती है।

आरबीआई ने बुधवार को तटस्थ मौद्रिक नीति रुख के साथ रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने की घोषणा की। इसके साथ ही रिजर्व बैंक ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अनुमान से कहीं अधिक जुझारू रही है, लेकिन भविष्य अब भी धुंधला नजर आ रहा है।

आरबीआई गवर्नर ने कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन 2025 में कहा, भू-राजनीतिक तनावों की वजह से पिछले दशक में तेल की कीमतें आसमान छू सकती थीं। लेकिन इन तनावों के बावजूद वर्तमान में तेल की कीमतें बहुत सीमित दायरे में रही हैं। यह न केवल भारत बल्कि दुनिया भर में, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में तेल की अहमियत कम होने के कारण हो सकता है। उन्होंने कहा, शायद अब सोने की कीमतें उसी तरह की चाल दिखा रही हैं जैसा पहले तेल दिखाया करता था। और यह वैश्विक अनिश्चितताओं का संकेतक बन रही हैं।

मल्होत्रा ने वैश्विक आर्थिक संभावनाओं को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों पर अपने विचार साझा करने के साथ उन्होंने सतर्क करने के अंदाज में कहा कि शेयर बाजार में निवेशक भी कुछ ज्यादा उत्साह में लग रहे हैं।

वैश्विक शेयर बाजारों में अधिकांश तेजी का नेतृत्व प्रौद्योगिकी शेयरों द्वारा किए जाने की पृष्ठभूमि में आरबीआई गवर्नर ने कहा कि निकट भविष्य में एक सुधार हो सकता है।

शुक्रवार को हाजिर सोना बढ़कर 3,867 डॉलर प्रति औंस हो गया और लगातार सातवें हफ्ते में बढ़त पर है। बृहस्पतिवार को पीली धातु की कीमतें 3,896.9 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्च स्तर से गिरकर 3,856.6 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई थीं।

'आई लव मोदी' ठीक है, लेकिन 'आई लव मोहम्मद' कहने पर विवाद क्यों : असदुद्दीन ओवैसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पैगंबर मोहम्मद के प्रति प्रेम व्यक्त करने पर प्रतिबंध लगाने को लेकर सवाल उठाते हुए शुक्रवार को कहा कि देश में 'आई लव मोदी' कहने की अनुमति है लेकिन 'आई लव मोहम्मद' कहने पर विवाद क्यों होता है। ओवैसी ने उत्तर प्रदेश में ईद-ए-मिलाद-उन-नबी जुलूस के दौरान कथित तौर पर 'आई लव मोहम्मद' लिखे बोर्ड लगाने को लेकर कुछ व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी का जिक्र करते हुए यह बात कही। हैदराबाद से लोकसभा सदस्य ने आश्चर्य व्यक्त किया कि यह देश किस दिशा में जा रहा है। एआईएमआईएम के प्रमुख ने बृहस्पतिवार को एक बैठक में कहा, हम अपनी मस्जिद भी जाना चाहें, तो वो उसे छीन लेना चाहते हैं। कोई भी ये कह सकता है कि 'मुझे मोदी से प्यार है, पर ये नहीं कह सकता कि 'मुझे मोहम्मद से प्यार है'। आप देश को किस दिशा में ले जाने की योजना बना रहे हैं?'' एआईएमआईएम प्रमुख ने यह स्पष्ट किया कि अगर कोई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा करते हुए पोस्टर प्रदर्शित करता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी। उन्होंने एक मुसलमान के रूप में अपनी पहचान की पुष्टि करते हुए कहा कि वह पैगंबर मोहम्मद का अनुसरण करते हैं।

यह विवाद नौ सितंबर को शुरू हुआ, जब कानपुर में पुलिस ने एक धार्मिक जुलूस के दौरान 'आई लव मोहम्मद' लिखे बोर्ड लगाने के आरोप में 24 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया।

करूर भगदड़ पर भाजपा को कोई 'वास्तविक चिंता' नहीं, राजनीतिक लाभ लेना चाहती है : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामनाथपुरम। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शुक्रवार को भाजपा और उसके नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर करूर में हुई दुखद भगदड़ को लेकर कोई वास्तविक चिंता न दिखाने का आरोप लगाया और कहा कि विपक्षी पार्टी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इस घटना का फायदा उठाना चाहती है। स्टालिन ने जानना चाहा कि भगदड़ के कारणों की जांच के लिए राजग सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल इतनी जल्दी करूर क्यों भेजा गया। उन्होंने कहा कि मणिपुर दंगों, गुजरात में मोरबी पुल दुर्घटना और उत्तर प्रदेश में कुंभ मेले में हुई भगदड़ की जांच के लिए टीम नहीं भेजी गई। द्रमुक नेता ने यहां एक सरकारी कार्यक्रम में कहा, बेशक, इसमें कोई सरोकार या चिंता नहीं है। यह 2026 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक लाभ लेने की एक तुच्छ हरकत है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा, जो दूसरों की पीठ पर सवार होने की आदी है, एक परजीवी है, जो दूसरों के खून पर पलती है।

द्रमुक अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा करूर भगदड़ का इस्तेमाल यह पता लगाने के लिए कर रही है कि वह किसे अपने नियंत्रण में ला सकती है। उन्होंने भाजपा को उन लोगों के लिए वाशिंग मशीन करार दिया, जो गलत कामों के लिये जवाबदेही से बचना चाहते हैं। स्टालिन ने इसके साथ ही विपक्षी अन्नाद्रमुक पर भाजपा के साथ चुनावी गठबंधन कर राज्य के हितों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तमिलनाडु तीन बड़ी प्राकृतिक आपदाओं का सामना कर रहा था, तब केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने न तो राज्य का दौरा किया और न ही राज्य को कोई धनराशि प्रदान की। उन्होंने कहा कि लेकिन भगदड़ के बाद वह तुरंत करूर पहुंच गईं। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख अभिनेता विजय द्वारा संबोधित रैली में 27 सितम्बर को हुई भगदड़ में कम से कम 41 लोग मारे गए थे।

तमिलनाडु भगदड़ : पलानीस्वामी का दावा, मुख्यमंत्री अधिकारियों के साथ मिलकर कर रहे राजनीति

धर्मपुरी। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन करूर में हुई दुखद भगदड़ की घटना को लेकर वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से जवाब मांगकर राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी अधिकारियों, विशेष रूप से विभागीय सचिवों का काम सत्तारूढ़ पार्टी की हां में हां मिलाना नहीं है, क्योंकि उनकी जिम्मेदारी जनता के प्रति होती है। पलानीस्वामी ने अपने राज्यव्यापी अभियान के तहत यहां एक विशाल सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले कुछ दिनों से सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार करूर में 27 सितंबर को हुई भगदड़ की घटना को लेकर सफाई देने के लिए सरकारी अधिकारियों, खासकर विभागीय सचिवों का उपयोग कर रही है, जबकि इस मामले की जांच के लिए पहले ही एकल सदस्यीय जांच आयोग गठित किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि सरकारी सचिव विकास पहल के बारे में तो बता सकते हैं, लेकिन उस घटना के बारे में उस तरह बात नहीं कर सकते, जैसे राजनीतिक नेता करते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, अगर राज्य सरकार ने उचित सुरक्षा प्रदान की होती, तो करूर में 41 लोगों की जान नहीं जाती। जानमाल के नुकसान के लिए सरकार को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2026 में जब अन्नाद्रमुक सरकार बनाएगी तो इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पलानीस्वामी ने कहा, ''करूर में 41 मौतों का कारण बनी अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के बारे में सवाल कर रही जनता को मुख्यमंत्री को जवाब देना होगा। मुझे यकीन है कि जनता 2026 के चुनावों में द्रमुक को करारा जवाब देगी।'' अपना भाषण शुरू करने से पहले, अन्नाद्रमुक महासचिव ने अभिनेता से नेता बने विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम की रैली में हुई भगदड़ में मारे गए लोगों की याद में दो मिनट का मौन रखने की पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की।

विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री स्टालिन

मुख्यमंत्री स्टालिन ने रामनाथपुरम को दी 738 करोड़ रुपए की सौगात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दिव्यांगों को स्कूटर प्रदान करते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन।

रामनाथपुरम। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शुक्रवार को रामनाथपुरम जिले में पिछले साढ़े चार वर्षों में हुए विकास कार्यों की समीक्षा की और 738 करोड़ रुपये की नई परियोजनाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि जिले में 3,250 करोड़ रुपए की लागत वाली 46,270 परियोजनाएं वर्तमान में चल रही हैं। द्रमुक सरकार जिले के लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और कई लाभकारी योजनाएं लागू की गई हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि रामनाथपुरम में 2.36 लाख महिलाओं को महिला अधिकार भत्ता, 8 लाख से अधिक किसानों को सहायता, 83,483 बच्चों को रोजाना पौष्टिक नाश्ता, 1.85 लाख मछुआरों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ, 55,000 छात्रों को नान मुथलवन योजना के तहत प्रशिक्षण, 24,722 मुफ्त आवास पट्टे, 6,000 लोगों के लिए कलाई उदयार योजना के तहत घर और 78,000 आदि द्रविड़ समुदाय के लोगों को सामाजिक कल्याण योजनाओं का लाभ मिला है।

शुक्रवार को रामनाथपुरम रेलवे स्टेशन, थंगाचिमदम सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन और परमकुडी में सामाजिक न्याय छात्रावास का उद्घाटन किया गया। स्टालिन ने कहा, मैं जितना भी कहूं, नई घोषणाओं के बिना रुक नहीं सकता। मंत्रियों और विधायकों के सुझावों पर मैं रामनाथपुरम के लिए 9 नए विकास कार्यों की घोषणा कर रहा हूं। मुख्यमंत्री के मुताबिक, इसमें प्रमुख रूप से रामनाथपुरम नगरपालिका में राष्ट्रीय राजमार्ग को 30 करोड़ रुपए की लागत से 4-लेन से 6-लेन बनाना, 18 करोड़ रुपए से तिरुवदनई के प्रमुख तालाबों का सुधार, कीलाकराई के 6 तालाबों का 4.65 करोड़ रुपए से नवीनीकरण, परमकुडी नगरपालिका के लिए 4.50 करोड़ रुपए से नया कार्यालय भवन, रामनाथपुरम के पुराने बस स्टैंड को आधुनिक व्यावसायिक परिसर में बदलना, रामनाथपुरम राजकीय महिला महाविद्यालय में 10 करोड़ रुपए में सुविधाओं का विस्तार, कीलाकराई में 3 करोड़ रुपए में नया नगरपालिका कार्यालय और 1.5 करोड़ रुपए में आधुनिक मछली बाजार और कामुथी में किसानों के लिए 100 मीट्रिक टन क्षमता वाला 10 करोड़ रुपये का भंडारण गोदाम शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये कदम जिले के विकास और लोगों की जरूरतों को पूरा करने की दिशा में उठाए गए हैं।

तमिलनाडु भगदड़ : उच्च न्यायालय ने एसआईटी गठित करने का आदेश दिया

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी असरा गर्ग के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का आदेश दिया, जो 27 सितंबर को प्रदेश के करूर में अभिनेता से नेता बने विजय की रैली के दौरान हुई भगदड़ की जांच करेगा। इस भगदड़ में कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 60 से अधिक घायल हो गए थे। असरा गर्ग फिलहाल उत्तर क्षेत्र की पुलिस महानिदेशक हैं। एकल न्यायाधीश की पीठ ने कथित तौर पर इस घटना को लेकर विजय की तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के पदाधिकारियों की आलोचना की।

तमिलनाडु भगदड़ :अदालत ने सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका खारिज की, मदुरै पीठ से संपर्क करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने भाजपा की नेता उमा आनंदन की उस याचिका को शुक्रवार को खारिज कर दिया, जिसमें 27 सितंबर को करूर में अभिनेता से नेता बने विजय की रैली में हुई भगदड़ मामले की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने का अनुरोध किया गया था। भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी।

भाजपा नेता ने अदालत का रुख करते हुए कहा था कि इस घातक घटना के संबंध में कई सवाल हैं, जिसमें संभावित आधिकारिक उदासीनता भी शामिल है। पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए याचिकाकर्ता को उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ का रुख करने को कहा।

इस बीच, शुक्रवार को उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने नमक्कल के एक निजी अस्पताल पर हमले के सिलसिले में टीवीके के एक पदाधिकारी की अग्रिम ज़मानत याचिका खारिज कर दी।

टीवीके के नमक्कल (पश्चिमी तमिलनाडु) जिला सचिव सतीश कुमार की ज़मानत याचिका भी उच्च न्यायालय ने खारिज कर दी। उन पर 27 सितंबर को विजय की रैली के दौरान अस्पताल पर हुए हमले के सिलसिले में मामला दर्ज किया गया है और गिरफ्तारी के डर से उन्होंने अदालत का रुख किया है।

चेन्नई पोर्ट ने समुद्र तट किया सफाई अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी ने 02 अक्टूबर को पोर्ट परिसर (कोस्टल रोड बीच) में एक जीवंत समुद्र तट सफाई अभियान के साथ स्वच्छ भारत दिवस 2025 मनाया, जिसमें 450 से अधिक कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी की।

इस प्रकार, गांधी जयंती के इस महत्वपूर्ण अवसर पर चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी के कर्मचारी राष्ट्र के लिए महात्मा के आदर्शों का सम्मान करते हुए, स्वच्छ और हरित भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में एकजुट हुए।

चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी के अध्यक्ष और कामराजर पोर्ट लिमिटेड के अध्यक्ष सुनील पालीवाल ने सफाई अभियान का सक्रिय नेतृत्व किया और उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए स्वच्छता के प्रति निरंतर और समुदाय-आधारित प्रतिबद्धता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने हमारे पर्यावरण को स्वच्छ रखने में श्रमिकों द्वारा की जाने वाली कठिन शारीरिक गतिविधियों का सम्मान करने के महत्व का भी उल्लेख किया और सभी को अपने दैनिक जीवन में ऐसी आदतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के समापन पर, प्रतिभागियों ने सिग्नेचर बोर्ड अभियान और स्वच्छता उत्सव सेल्फी पहल में भाग लिया, तथा इस अवसर को एक स्वच्छ, हरित कल के प्रति आशावादी वादे के साथ मनाया।

बढ़ते जनाक्रोश के बीच आरएसएस का दुष्प्रचार कर रहे हैं स्टालिन : प्रसाद

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने एक विज्ञप्ति में बताया कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के विरुद्ध की गई निराधार और अपमानजनक टिप्पणियाँ, निस्वार्थ जनकल्याण और राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित एक शताब्दी पुराने, विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित आंदोलन के सम्मान, गौरव और ऐतिहासिक विरासत पर एक जानबूझकर किया गया हमला है। यह निंदनीय कृत्य स्टालिन से उनके बेबुनियाद झूठों के लिए तत्काल सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगने और राजनीतिक प्रतिशोध में गिरफ्तार किए गए निर्दोष आरएसएस स्वयंसेवकों की बिना शर्त रिहाई की मांग करता है। उनके खिलाफ लगाए गए सभी मनगढ़ंत आरोप तत्काल वापस लिए जाने चाहिए, अन्यथा द्रमुक को कानूनी और सार्वजनिक प्रतिशोध का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार की घोर प्रशासनिक अक्षमता का प्रत्यक्ष परिणाम, करूर में 41 लोगों की दुखद मौत ने डीएमके शासन के विरुद्ध जन आक्रोश की एक अभूतपूर्व लहर पैदा कर दी है। स्टालिन प्रशासन की अपने जनादेश को पूरा करने में घोर विफलता को उजागर किया है और राज्य को अराजकता में धकेल दिया है। इन गंभीर विफलताओं की

जवाबदेही से बचने के एक निंदनीय और पारदर्शी प्रयास में, स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार ने विजयादशमी समारोह के दौरान, एक प्रतिष्ठित संगठन, जिसकी एक शताब्दी पुरानी विरासत है, के विरुद्ध एक दुर्भावनापूर्ण बदनामी अभियान चलाया है। निराधार बदनामी और आरएसएस स्वयंसेवकों की अन्यायपूर्ण गिरफ़्तारी के ज़रिए, द्रमुक ने अपने घोर कुशासन से ध्यान हटाने के लिए एक सुनियोजित विवाद खड़ा किया है। असहमति को दबाने और जनभावनाओं से छेड़छाड़ करने की यह कपटपूर्ण चाल पूरी तरह से उजागर हो गई है, और ऐसी चालें न तो न्याय की जाँच से बच पाएंगी और न ही जनता की दृढ़ इच्छाशक्ति से। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके-नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने चेन्नई के पोरुर के पास सरकारी स्कूल में शांतिपूर्ण गुरु पूजा और शाखा प्रशिक्षण सत्र के दौरान 39 आरएसएस स्वयंसेवकों को गिरफ्तार करके संवैधानिक स्वतंत्रता पर एक दुस्साहसिक हमला किया। निस्वार्थ राष्ट्र सेवा के एक शताब्दी के लिए समर्पित एक देशभक्त संगठन का यह गैरकानूनी दमन भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 और 21 का घोर उल्लंघन है, जो सभा करने की स्वतंत्रता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देते हैं। ये गिरफ्तारियाँ मद्रास उच्च न्यायालय के 2024 के निर्देश की खुलेआम अवहेलना करती हैं, जिसमें तमिलनाडु में 58 स्थानों पर आरएसएस के जुलूसों के लिए अप्रतिबंधित अनुमतियाँ अनिवार्य कर दी गई थीं और राज्य सरकार की बाधा डालने की प्रवृत्ति की निंदा की गई थी, और अवमानना प्रावधानों के तहत बाध्यकारी दिशानिर्देश निर्धारित किए गए थे। द्रमुक द्वारा न्यायिक प्राधिकार की अवहेलना, लोकतांत्रिक शासन पर राजनीतिक प्रतिशोध को प्राथमिकता देते हुए, कानून के शासन के प्रति उसकी अवमानना को उजागर करती है, और न्यायालय अवमानना अधिनियम, 1971 की धारा 10 के तहत कार्रवाई को आमंत्रित करती है। विजयदशमी पर सांस्कृतिक संरक्षण और राष्ट्रीय एकता के प्रतीक आरएसएस को बदनाम करके, स्टालिन ने अपने शासन के पतन के बीज बो दिए हैं। भाजपा ने हिरासत में लिए गए सभी आरएसएस स्वयंसेवकों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई, सभी झूठे आरोपों को खारिज करने और राज्य सरकार के अतिक्रमण के लिए जवाबदेही तय करने की मांग की है।

F.No. SP-1/18/2025-BIOACOU Section-CMLRE (e 737)
समुद्री सजीव संसाधन एवं पारिस्थितिकी केंद्र
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
अटल भवन, एलएनजी रोड, पुतुवैप साँथ, ओचनतुरुत पी.ओ., कोच्चि, भारत

वाक इन इंटरव्यू

CMLRE के PRITHVI परियोजना (2022-26) के प्रोजेक्ट मेनेजर (01 Nos) और प्रोजेक्ट असिस्टन्ड / टेकनिकल असिस्टन्ड (01 Nos.) के खिलाफ रिक्तियों को भरने के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू सीएमएलआरई, पुथुवाइप परिसर में आयोजित किया जाएगा।

योग्य उम्मीदवारों को मार्च 2026 की अवधि तक या परियोजना के कार्यकाल तक संबंधित पद के रूप में नियुक्त किया जाएगा। विवरण के लिए www.cmlre.gov.in देखें।

ह/-
cbc12110/11/0005/2526 अवर सचिव एवं कार्यालय अध्यक्ष

भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस)
अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार

प्रतिनियुक्ति के आधार पर उप निदेशक/सहायक निदेशक की भर्ती
(विज्ञापन सं. इन-स्पेस: 06:2025 दिनांकित 04/10/2025)

इन-स्पेस अंतरिक्ष विभाग (डीओएस) के तहत अंतरिक्ष गतिविधियों के प्रचार और प्राधिकरण तथा गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीई) द्वारा अं.वि के स्वामित्व वाली सुविधाओं के उपयोग के लिए एक स्वतंत्र नोडल एजेंसी है।

पात्र उम्मीदवारों से निम्नलिखित पदों के लिए प्रारंभिक तौर पर **03 (तीन) वर्ष (आवश्यकता और संतोषजनक प्रदर्शन के आधार पर 05 वर्ष तक विस्तारणीय) की अवधि के लिए** भारत सरकार द्वारा समय-समय पर संशोधित प्रतिनियुक्ति के मानक नियमों और शर्तों के अनुसार **प्रतिनियुक्ति** के आधार पर आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

पदनाम/ वेतन मैट्रिक्स में स्तर	विशेषज्ञता का क्षेत्र	पदों की संख्या
उप निदेशक स्तर - 13	विधि	01
सहायक निदेशक स्तर - 11	विधि	01

विस्तृत विज्ञापन वेबसाइट https://www.inspace.gov.in पर घोषणा खंड के तहत उपलब्ध है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 03/11/2025 है।

cbc49121/12/0005/2526 इन-स्पेस द्वारा जारी

बीओआई में हिंदी माह समापन समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। बैंक ऑफ इंडिया के तिरुवनंतपुरम आंचलिक कार्यालय में हिंदी माह समापन समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर आंचलिक प्रबंधक राजीव कुमार एवं उप आंचलिक प्रबंधक सतीश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आंचलिक कार्यालय के विभिन्न विभागों से जुड़े अधिकारीगण सम्मिलित हुए। समारोह का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। तत्पश्चात कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं आंचलिक प्रबंधक राजीव कुमार एवं अन्य सभी स्टाफ द्वारा राजभाषा संकल्प लिया गया। अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा, हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान का आधार है। कार्यस्थल पर हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना हम सभी की जिम्मेदारी है। उप आंचलिक प्रबंधक सतीश कुमार ने कहा कि बैंक ऑफ इंडिया सदैव राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। उन्होंने कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे दैनिक कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें।

इसके पश्चात आंचलिक कार्यालय में हिंदी माह के अंतर्गत आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। कुल 10 प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें राजभाषा ज्ञान एवं बैंकिंग ज्ञान प्रश्नोत्तरी, सुलेख प्रतियोगिता, बैंकिंग शब्दावली प्रतियोगियता, टिप्पण प्रतियोगियता, रंग बिरंगी प्रतियोगियता, चित्रकोश प्रतियोगियता, एकल गायन प्रतियोगियता, शीर्षक लेखन प्रतियोगियता एवं स्मरण शक्ति प्रतियोगिता शामिल थीं। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ सभी कार्यक्रम में भाग लिया। संचालन वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) श्रीमती षीबा एस आर द्वारा किया गया।

चेन्नई पोर्ट ने समुद्र तट किया सफाई अभियान

इरोड। इरोड जिले के बुरगुर वन क्षेत्र में 35 टन चीनी से लदी लॉरी आग लगने के कारण जल कर खाक हो गई। पुलिस के अनुसार, यह लॉरी कर्नाटक के मैसूरु पंडारीपुरा चीनी कारखाने से चीनी लेकर तमिलनाडु के तंजावुर जा रही थी।

गिरफ्तार करने की तमिलनाडु सरकार को चुनौती देने पर द्रमुक ने विजय की आलोचना की

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय की उनके कथित अहंकार, धन की भूख, प्रचार एवं कुर्सी की लालसा'' के लिए आलोचना करते हुए कहा है कि उन्होंने भगदड़ की घटना के लिए उन्हें गिरफ्तार करने की राज्य सरकार को जो चुनौती दी है उसका उद्देश्य 41 लोगों की मौत के मामले से ध्यान भटकाना है। सत्तारूढ़ दल ने कहा कि अभिनेता से नेता बने विजय का अभिनय कौशल सिनेमा के क्षेत्र में बहुत पहले ही ''असफल'' हो चुका है और वास्तविक जीवन में भी वह सफल नहीं होगा।

द्रमुक के मुखपत्र ''मुरासोली' ने विजय की आलोचना करते हुए अपने संपादकीय में कहा, ''विजय द्वारा जारी किया गया वीडियो दर्शाता है कि 41 लोगों की हत्या के लिए जिम्मेदार उनका अहंकार और धन की भूख, प्रचार उन्माद एवं कुर्सी की लालसा से उपजा उनका घमंड अभी तक कम नहीं हुआ है।'' विजय ने भगदड़ के बाद 30 सितंबर, 2025 को अपने वीडियो संदेश में कहा था कि सरकार भगदड़ की घटना को लेकर उनके साथ कुछ भी कर सकती है'' लेकिन वह उनकी पार्टी के लोगों को छोड़ दे। द्रमुक ने इसी की पृष्ठभूमि में कहा कि विजय पर पीड़ितों के परिवारों को 20-20 लाख रुपये की मुआवजा राशि देने की घोषणा करने का दबाव था क्योंकि मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये दिए थे।

उसने कहा, ''अन्यथा विजय इसकी घोषणा नहीं करते। अगर मुख्यमंत्री ने एक-एक लाख रुपये की मुआवजा राशि की घोषणा की होती तो विजय केवल दो-दो लाख रुपये की मुआवजा राशि की घोषणा करते। उनके प्रशंसक यह बात अच्छी तरह जानते हैं।'' उसने कहा कि सरकार ने भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों को मुआवजा राशि पहले ही वितरित कर दी है लेकिन विजय ने भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों को सुनिश्चित राशि अभी नहीं दी है।

द्रमुक ने कहा कि विजय सरकार को चुनौती दे रहे हैं और सरकार से उन्हें गिरफ्तार करने को कह रहे हैं क्योंकि उन्हें इस बात पर नाराजगी है कि उनका पैसा पीड़ितों के परिवारों को मुआवजा देने पर खर्च किया जा रहा है। उसने कहा उन्हें गिरफ्तार करने की चुनौती देकर वह 41 लोगों की मौत के मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। 'मुरासोली' ने बृहस्पतिवार को प्रकाशित अपने संपादकीय में कहा, उनका अभिनय सिनेमा में बहुत पहले ही विफल हो चुका है और असल जिंदगी में भी यह सफल नहीं होगा।'' द्रविड़ पार्टी ने विजय के कथित 'सिनेमाई हथकंडों'' के लिए उन पर निशाना साधते हुए कहा कि विजय ने वीडियो संदेश में शोक संतप्त परिवारों के प्रति न तो संवेदना व्यक्त की, न ही सहानुभूति व्यक्त की और ना ही माफी मांगी।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
Ministry of Earth Sciences
समुद्री सजीव संसाधन एवं पारिस्थितिकी केंद्र
Centre for Marine Living Resources & Ecology
अटल भवन, एलएनजी रोड, पुतुवैप साँथ, ओचनतुरुत पी.ओ., कोच्चि
Atal Bhavan, LNG Road, Puthyvype South, Ochanthuruth P.O., Kochi

F.No. MoES/CMLRE/DOM/MM/BBNJ/2025

रिक्ति विज्ञापन

समुद्री सजीव संसाधन एवं पारिस्थितिकी केंद्र (CMLRE), एक प्रमुख अनुसंधान एवं विकास संस्थान और भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों का क्रियान्वयन कर रहा है। इन गतिविधियों को क्रियान्वित करने के लिए, CMLRE 2025-2026 के दौरान इन समयबद्ध अनुसंधान गतिविधियों में योगदान देने हेतु गतिशील, परिश्रमी, प्रेरित और नवोन्मेषी शोधकर्ताओं से परियोजना मोड पर निम्नलिखित अस्थायी पदों के लिए योग्य आवेदकों को आमंत्रित कर रहा है।

क्रम संख्या	पद	विषय	विषय मासिक पारिश्रमिक (रु.)	पदों की संख्या
1.	परियोजना वैज्ञानिक - II	कोशिका रेखा और कोशिका संवर्धन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता/ मशीन लर्निंग, आणविक जीव विज्ञान/जैव प्रौद्योगिकी।	67,000/- +HRA	3
2.	वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता/परियोजना सहयोगी II और कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता/परियोजना सहयोगी I	समुद्री वर्गिकीविद् (कशेरुकी/अकशेरुकी), भूसूचना विज्ञान/सुदूर संवेदन, आणविक जीव विज्ञान/जैव प्रौद्योगिकी, जैवसूचना विज्ञान।	25,000-42,000+HRA	4
3.	सलाहकार (गैर-तकनीकी)	प्रशासन	35,000/माह या अंतिम मूल वेतन या मूल पेंशन, जो भी कम हो	2
4.	सलाहकार (वैज्ञानिक)	आर्थिक प्रभाव आकलन, समुद्री जैव-पूर्वेक्षण, समुद्री संरक्षित क्षेत्र, कानूनी मामले, समुद्री जीनोमिक्स	80,000 (निर्धारित)	3
		कुल पद		12

पद, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया आदि के विवरण के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.cmlre.gov.in पर जाएँ। आवेदन करने की अंतिम तिथि इस विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से एक माह है। साक्षात्कार की सही तिथि और स्थान उपरोक्त वेबसाइट पर पहले ही सूचित कर दिया जाएगा।

ह/-
दिनांक 04.10.2025 (कार्यालय अध्यक्ष)
cbc12110/11/0003/2526 सीएमएलआरई

अगली बार संयम नहीं दिखाएगा भारत : थलसेना प्रमुख ने पाकिस्तान को दी चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अनूपगढ़/जयपुर। थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए शुक्रवार को कहा कि अगर पड़ोसी देश विश्व के मानचित्र पर अपना स्थान बनाए रखना चाहता है तो उसे अपनी धरती से आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद कर देना चाहिए। जनरल द्विवेदी ने साथ ही कहा कि नयी दिल्ली ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो संयम दिखाया था, वह भविष्य में कोई सैन्य संघर्ष होने की स्थिति में दोहराया नहीं जाएगा और उन्होंने भारतीय सैनिकों से कार्रवाई के लिए तैयार रहने का आग्रह किया।

उन्होंने राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ में सैनिकों को संबोधित करते हुए कड़े शब्दों में कहा, भारत एक देश के तौर पर इस बार पूरी तरह तैयार है और वह ऑपरेशन सिंदूर 1.0 के दौरान दिखाए गए संयम का परिचय इस बार नहीं देगा। इस बार हम एक कदम आगे बढ़ेंगे और इस तरह से काम करेंगे कि पाकिस्तान यह सोचने पर मजबूर हो जाएगा कि वह दुनिया के नक्शे पर बना रहना चाहता है या नहीं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर पाकिस्तान दुनिया के नक्शे पर अपनी जगह बनाए रखना चाहता है, तो उसे सरकार प्रायोजित आतंकवाद को रोकना होगा। थलसेना प्रमुख ने सैनिकों से तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा, अभी से पूरी तरह तैयार रहो, अगर ईश्वर ने चाहा तो जल्द ही मौका आएगा।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया को पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों की मौजूदगी के सबूत दिए। उन्होंने कहा कि अगर भारत ने ये सबूत उजागर नहीं किए होते तो पाकिस्तान ये सब छिपा लेता। थलसेना प्रमुख ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद जब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया तो पूरी दुनिया उसके साथ खड़ी थी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर नौ ठिकानों को निशाना बनाया, जिनमें से सात को थलसेना और दो को वायुसेना ने निशाना बनाया।

जनरल द्विवेदी ने कहा, हमने ठिकानों की पहचान इसलिए की थी क्योंकि हम केवल आतंकवादियों को नुकसान पहुंचाना चाहते थे। हमारा लक्ष्य उनके ठिकानों पर हमला करना था। हमें आम पाकिस्तानी नागरिकों से कोई शिकायत नहीं है, बशर्ते उनका देश आतंकवादियों को प्रायोजित न करे। चूंकि आतंकवादियों को प्रायोजित किया जा रहा था इसलिए उन आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया गया।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास रहने वाले लोगों से उनकी अपील संबंधी सवाल के जवाब में कहा, हम सीमा पर रहने वालों को आम नागरिक नहीं, बल्कि सैनिक मानते हैं। इसका मतलब है कि वे युद्ध में हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। यह बेहद जरूरी है क्योंकि भावी संघर्ष केवल सेना का नहीं, बल्कि पूरे देश का संघर्ष है।

सेना प्रमुख ने कहा कि इतिहास गवाह है कि 1965 और 1971 के युद्धों में आम नागरिक सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे थे। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि आने वाले दिनों में भी वे हमारे साथ जुड़े रहें। मैं उनका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं – उनका जोश हमारे सैनिकों का मनोबल बढ़ाता है।

पांच करोड़ रुपये मूल्य का 1,000 किलोग्राम से अधिक गांजा जब्त; दो तस्कर गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस के गैंगस्टर रोधी कार्यबल ने झुंझुनू जिला विशेष टीम के साथ मिलकर पांच करोड़ रुपये मूल्य का लगभग 1,000 किलोग्राम गांजा जब्त कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रहार नामक यह अभियान बल को प्राप्त एक विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर शुरू किया गया था, जिसके तहत ओडिशा से राजस्थान के शेखावाटी जाने वाली एक खेप पर नजर रखी गई थी। तस्कर एक कंटेनर ट्रक में प्रतिबंधित सामान ले जा रहे थे और उन्होंने इसे चालक की सीट के पीछे एक विशेष रूप से निर्मित चैंबर में छुपा रखा था। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) दिनेश एमएन ने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने झुंझुनू जिले के उदयपुरवाटी इलाके में नाकाबंदी की और वाहन को रोका। वाहन की तलाशी लेने पर पुलिस को 1,014 किलोग्राम गांजे की बोरियां बरामद हुईं। अधिकारियों ने बताया कि यह खेप शेखावाटी में मादक पदार्थों के माफिया राजू पचलेंगी और गोकुल के लिए थी। तस्करी नेटवर्क के दो प्रमुख सदस्यों को मौके से गिरफ्तार किया गया। उनकी पहचान सीकर निवासी सुभाष गुर्जर और प्रमोद गुर्जर के रूप में हुई। एडीजी ने कहा, यह सिर्फ जब्ती नहीं है, बल्कि मादक पदार्थों के संगठित कार्टेल के आपूर्ति नेटवर्क पर सर्जिकल स्ट्राइक है।

कोटा में रावण के 233 फुट ऊंचे पुतले का दहन कर विश्वरिकॉर्ड बनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा शहर में दशहरा मैदान में बृहस्पतिवार को रावण के 233 फुट ऊंचे पुतले का दहन कर 'विश्व रिकॉर्ड' बनाया गया। कोटा से तीन बार के सांसद एवं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तथा राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यहां एक भव्य समारोह में 132वें राष्ट्रीय दशहरा मेले का उद्घाटन किया। इसके बाद, रावण के विशाल पुतले के साथ-साथ दोनों ओर 60 फुट ऊंचे कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतलों का दहन भी किया गया। कोटा के पूर्व राजपरिवार के मुखिया इज्यराज सिंह द्वारा छोड़े गए तीर से पुतलों को आग लगाई गई। वह भगवान लक्ष्मीनारायण की शोभायात्रा का नेतृत्व करते हुए दशहरा मैदान पहुंचे थे।

इससे पहले, दिल्ली में 2024 में रावण के 210 फुट ऊंचे पुतले के दहन का रिकॉर्ड है। विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने लोगों को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह अवसर अन्याय पर न्याय की जीत को दर्शाता है। शर्मा ने कहा, कोटा दशहरा हमारी सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक मान्यताओं और परंपराओं का संगम है। रावण के 233 फुट ऊंचे पुतले ने इस साल एक नया रिकॉर्ड बनाया है।

नकली नोट के अंतरराज्यीय गिरोह के सरगना दंपति झालावाड़ में गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने देश भर में नकली भारतीय मुद्रा की खपत करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के सरगना दंपति को झालावाड़ में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि झालावाड़ की जिला विशेष टीम और चंडीगढ़ पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में यह सफलता मिली। आरोपियों के कब्जे से 12 लाख 20 हजार रुपये मूल्य के नकली नोट, नोट छापने के उपकरण कलर प्रिंटर, लैपटॉप, कटर, स्याही और स्क्रीन फ्रेम इमेजर बरामद किए गए हैं।

झालावाड़ के जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि 29 सितंबर को चंडीगढ़ पुलिस ने दो व्यक्तियों गौरव और विक्रम को 10 लाख रुपए (500-500 मूल्य के कुल 2038 नोट) से अधिक मूल्य की नकली मुद्रा के साथ पकड़ा था। पूछताछ में पता चला कि ये नकली नोट उन्हें कूरियर सेवा के माध्यम से भेजे गए थे जिसका पता झालावाड़ जिले के बकानी क्षेत्र का था। मामले की गंभीरता को देखते हुए चंडीगढ़ पुलिस ने झालावाड़ पुलिस से संपर्क किया। जिला पुलिस की विशेष टीम ने चंडीगढ़ पुलिस के साथ मिलकर काम शुरू किया। गिरोह के सरगना आरोपी जितेंद्र शर्मा (40) और उसकी पत्नी रजनी शर्मा (37) नकली नोटों के 'कंसाइनमेंट' भेजते समय फर्जी नाम और पते का इस्तेमाल करते थे।

आरोपियों को चिन्हित करने के लिए टीम ने सबसे पहले कूरियर बुक करने का वास्तविक समय निकाला और फिर 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। सीसीटीवी और मानवीय आसूचना के गहन विश्लेषण से आखिरकार यह जानकारी मिली कि यह दंपति पिछले कुछ महीनों से झालरापाटन के चंद्रावती ग्रोथ सेंटर स्थित किराए के एक मकान में रह रहा था। संयुक्त टीम ने किराए के मकान पर छापा मारा। पुलिस ने मौके से जितेंद्र शर्मा और रजनी शर्मा को गिरफ्तार किया।

तलाशी के दौरान घर के अंदर एक मिनी-प्रिंटिंग प्रेस जैसा सेटअप मिला। आरोपियों के कब्ज़े से न केवल 12.20 लाख रुपये की नकली भारतीय मुद्रा बरामद हुई बल्कि नोटों की छपाई में इस्तेमाल होने वाले सभी सामान जैसे एक रंगीन प्रिंटर, लैपटॉप, कटर मशीन, विशेष स्याही और स्क्रीन फ्रेम इमेजर भी जब्त किए गए। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी मूल रूप से उज्जैन के निवासी हैं और झालावाड़ को अपना 'ऑपरेशन बेस' बनाए हुए थे। चंडीगढ़ पुलिस टीम दोनों आरोपियों को आगे की जांच के लिए चंडीगढ़ ले गई है।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद तिवारी को अंतिम विदाई, भजनलाल शर्मा ने किए अंतिम दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। राजस्थान विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता गिर्राज प्रसाद तिवारी को अंतिम विदाई देने के लिए आज हजारों की संख्या में लोग उनके पैतृक गांव बिडयारी बयाना पहुंचे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी गांव बिडयारी पहुंचे और पार्थिव देह के दर्शन कर उन्हें पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री के साथ पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी भी पहुंचे थे।

गिर्राज प्रसाद तिवारी का 104 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। उनके निधन से क्षेत्र और पूरे प्रदेश में शोक की लहर है। उनकी अंतिम यात्रा कचहरी से श्मशान घाट तक निकाली जाएगी। अंतिम यात्रा में हजारों लोग शामिल होंगे। गांव बिडयारी में सुबह से ही श्रद्धांजलि देने वालों की भीड़ उमड़ी हुई है। आमजन के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों, राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में पहुंचकर अपने प्रिय नेता को अंतिम नमन कर रहे हैं।

प्रदेश की राजनीति में लंबे समय तक सक्रिय रहे गिर्राज प्रसाद तिवारी 1986 से 1990 तक राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष पद पर रहे थे। वे अपनी सादगी, ईमानदारी और जनसेवा के लिए हमेशा याद किए जाएंगे गांव बिडयारी में आज का दिन भावुक माहौल का गवाह बन गया, जब लोग नम आंखों से अपने नेता को अंतिम विदाई देने जुटे।

रिश्वतखोरी में रंगे हाथ पकड़ा गया हेड कॉन्स्टेबल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। इसमें सीकर जिले के रनौली थाना क्षेत्र में तैनात हेड कॉन्स्टेबल राम निवास को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर झुंझुनूं इकाई की टीम ने आरोपी रनौली थाने के हेड कॉन्स्टेबल रामनिवास (बेल्ट नं. 15) को 15,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि ए.सी.बी. चौकी झुंझुनूं को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी के भतीजे के विरुद्ध पुलिस थाना रानोली में गुमशुदा (महिला) की गुमशुदगी दर्ज थी जिसमें आरोपी के विरुद्ध कोई कार्यवाही नही करने की एवज में 20,000 रुपये की रिश्वत मांग कर परेशान कर रहा था। प्राप्त शिकायत पर दिनांक 28.09.2025 गोपनीय रिश्वत मांग सत्यापन के दौरान आरोपी रामनिवास हैड कानि. पुलिस थाना रानौली जिला सीकर द्वारा परिवादी के भतिजे की मदद करने की एवज में 15,000 रुपये रिश्वत की मांग करना पाया गया। रिश्वत मांग के अनुसरण में आज दिनांक 03.10.2025 को ट्रेप कार्यवाही का आयोजन कर परिवादी से आरोपी रामनिवास हेड कानि द्वारा रिश्वती राशि थाने के बाहर ग्रहण कर अपनी पहनी हुई पेंट की जेब में रख ली। आरोपी से रिश्वत राशि 15000 रुपये बरामद हो चुकी है।

इस पर ए.सी.बी. जयपुर रेंज के राजेश सिंह, उप महानिरीक्षक पुलिस के सुपरवीजन में ए.सी.बी. झुंझुनूं के शब्बीर खान, उप अधीक्षक पुलिस मय टीम के ट्रेप कार्यवाही जारी है। आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

जयपुर में होगा सांसद खेल महोत्सव : मंजू शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शहर सांसद मंजू शर्मा ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि जयपुर में 15 अक्टूबर से सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'फिट इंडिया हिट इंडिया' और 'खेलो इंडिया' थीम को सार्थक करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को फिटनेस, खेल और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

सांसद शर्मा ने कहा कि खेल महोत्सव में पुरुषों और महिलाओं के साथ-साथ दिव्यांग खिलाड़ी भी भाग लेंगे। पारंपरिक खेलों में कबड्डी, खो-खो, कुश्ती, रस्साकशी, सितोलिया, मटका दौड़, नींबू दौड़ और मलखम्भ शामिल होंगे, वहीं आधुनिक खेलों में क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, तीरंदाजी, वुशु, हॉकी, बैडमिंटन, शतरंज और वेटलिफ्टिंग जैसी प्रतिस्पर्धाएं होंगी। महिलाओं के लिए विशेष प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा और सांसद व विधायक दिव्यांग खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए उनसे संवाद करेंगे।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिताएं तीन स्तरोंमंडल, विधानसभा और लोकसभा स्तर परआयोजित होंगी। जयपुर में विद्याधर नगर स्टेडियम, केएल सैनी स्टेडियम, चौगान स्टेडियम और एसएमएस स्टेडियम खेल आयोजन के केंद्र रहेंगे।

नवीन सहकारी समितियों के गठन में आएगी तेजी, पारदर्शिता होगी सुनिश्चित : दक

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बताया कि राज्य में नवीन ग्राम सेवा सहकारी समितियों के गठन के लिए ऑनलाइन व्यवस्था प्रारम्भ की गई है। नई व्यवस्था के तहत अब निरीक्षकों को लक्ष्य प्रदान करने से लेकर स्वीकृति जारी करने तक के कार्य ऑनलाइन रूप से ही संपादित होंगे। इससे नवीन समितियों के गठन में तेजी आएगी तथा प्रक्रिया में पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी। दक ने बताया कि नवीन पैक्स गठन किये जाने के लिए सर्वप्रथम इकाई अधिकारी द्वारा निरीक्षकों को लक्ष्य प्रदान किए जाते हैं, जिसके बाद निरीक्षक संबंधित क्षेत्र में सर्वे की कार्यवाही पूर्ण कर व्यवहार्यता रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं। यह रिपोर्ट नवीन पैक्स के गठन के प्रस्ताव के साथ प्रधान कार्यालय को भेजी जाती है, जहां से समिति गठन की स्वीकृति जारी की जाती है। यह कार्य अब तक मैनुअल रूप से होने के कारण कई बार समिति गठन की प्रक्रिया में विलम्ब होता है।

एकमुश्त समझौता योजना के लिए राज्य सरकार का जताया आभार

जयपुर। राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक की 61वीं वार्षिक साधारण सभा शुक्रवार को एपेक्स बैंक के सभागार में आयोजित की गई। बैंक प्रशासक एवं अतिरिक्त रजिस्ट्रार (द्वितीय) संदीप खण्डेलवाल की अध्यक्षता तथा बैंक प्रबंध निदेशक जितेन्द्र प्रसाद की उपस्थिति में आयोजित आमसभा में 39 में से 26 सदस्यों ने भाग लिया। साधारण सभा में बैंक के वर्ष 2024-25 के संतुलन चित्र, लाभ- हानि खाता तथा बजट के विरुद्ध आय-व्यय प्रतिवेदन, ऋण वितरण कार्यक्रम तथा अन्य विषयों का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। साधारण सभा में बताया गया कि वर्ष 2024-25 में राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक 216.05 लाख रुपये के शुद्ध लाभ में रहा है। बैंक द्वारा आगामी वर्ष 2026-27 में 400 करोड़ रुपये के ऋण वितरण का लक्ष्य प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा बजट सत्र के दौरान की गई घोषणा की अनुपालना में लागू मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना 2025-26 के लिए साधारण सभा में आभार व्यक्त करते हुए इसे दीर्घकालीन साख संरचना के लिए जीवनदायिनी बताया गया। साथ ही, योजना के क्रियान्वयन की अवधि 31 मार्च, 2026 तक बढ़ाये जाने हेतु प्रस्ताव प्रशासनिक विभाग को प्रेषित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। आमसभा में सदस्यों द्वारा दीर्घकालीन साख संरचना को और अधिक मजबूत करने के संबंध में अन्य कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए।

खांसी की प्रतिबंधित दवा लिखने पर चिकित्सक व फार्मासिस्ट के निलंबन की कार्रवाई शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने सीकर जिले में हाथीदेह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में बच्चों के लिए खांसी की प्रतिबंधित दवा लिखे जाने पर एक चिकित्सक और फार्मासिस्ट को निलंबित करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार राज्य में संचालित निशुल्क दवा योजना के तहत वितरित खांसी की दवा (सिरप) की गुणवत्ता की शिकायत के प्रकरण में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग गंभीरता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित कर रहा है। इसके अनुसार भरतपुर एवं सीकर जिले में दो बच्चों की मौत के प्रकरण में प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार दोनों ही बच्चों को खांसी की दवा डेक्सट्रोमैटोरफन नहीं लिखी गई थी।

उल्लेखनीय है कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने प्रकरण सामने आने पर तत्काल संज्ञान लेते हुए मामले की जांच किए जाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद राजस्थान मेडिकल सर्विस कॉर्पोरेशन (आरएमएससीएल) ने संबंधित दवा के वितरण एवं उपयोग पर रोक लगा दी थी और जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन भी कर दिया था। साथ ही, दवा का वैधानिक नमूना लेकर जांच के लिए राजकीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला भी भेजा गया है।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि भरतपुर एवं सीकर में दो बच्चों की मौत के प्रकरण में प्राप्त रिपोर्ट में सामने आया है कि चिकित्सक द्वारा दोनों ही बच्चों को डेक्सट्रोमैटोरफन एचबीआर सिरप नहीं लिखी गई है। प्रोटोकॉल के अनुसार बच्चों को यह दवा नहीं लिखी जाती है।

नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प है इसलिए जन समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता देना जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर में एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं, सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए संकल्पित है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प है इसलिए जन समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दें। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले आदि किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं, उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। यदि जमीन जायदाद से जुड़ा विवाद पारिवारिक हो तो, संबंधित पक्षों को बैठाकर आपसी संवाद से निस्तारण कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में हर बार की भांति इस बार भी कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी।

झारखंड में भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने झारखंड के पांच जिलों- गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा और हजारीबाग- में भारी बारिश को लेकर आरेंज अलर्ट (तैयार रहें) जारी किया है। जबकि राज्य के कई हिस्सों में लगातार बारिश हो रही है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राज्य में एक अक्टूबर से शुरू हुई मानसून की वापसी के बाद की अवधि में तीन अक्टूबर तक 11.7 मिलीमीटर सामान्य बारिश के मुकाबले 46 मिमी तक बारिश हुई है।

पिछले 24 घंटों में जामताड़ा जिले के करमाटांड में सबसे अधिक 73.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। विभाग ने बताया कि गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा और हजारीबाग जिलों के लिए चार अक्टूबर तक 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया गया है। कोडरमा, गिरिडीह, देवघर, जामताड़ा, धनबाद, बोकारो, रामगढ़, रांची और लोहरदगा के लिए चार अक्टूबर तक 'येलो' अलर्ट भी जारी किया गया है। बृहस्पतिवार को राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में भारी बारिश हुई।

नागालैंड के संदिग्ध बदमाशों ने असम के गोलाघाट में मकानों में लगाई आग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोरहाट/भाषा। नागालैंड के संदिग्ध बदमाशों ने शुक्रवार को असम के गोलाघाट जिले के करीब 90 मकानों में कथित तौर पर आग लगा दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बदमाशों ने हवा में कई बार गोलियां चलाई जिससे मुस्लिम बहुल इलाके में दहशत फैल गई।

अधिकारी ने बताया कि यह घटना तड़के अंतरराज्यीय सीमा पर सरूपथार के सेक्टर बी में उरियमघाट के तेंगाताल में हुई। उन्होंने कहा कि, जब ग्रामीण सो रहे थे तब नागालैंड के संदिग्ध बदमाशों ने सीमा पार की और 90 मकानों में आग लगा दी। संपत्ति को भारी नुकसान होने की खबरें हैं। गोलियों की आवाज सुनने के बाद लोग डर के कारण अपने घरों से निकलकर पास की झाड़ियों में भाग गए। प्रारंभिक जांच के अनुसार जानमाल की कोई हानि नहीं हुई। अधिकारी ने कहा कि, नागालैंड के बदमाशों, अल्पसंख्यक बहुल गांव की जमीन पर अपना दावा कर रहे हैं। आग लगाने से पहले उन्होंने ग्रमीणों से घर छोड़ने को कहा था। उन्होंने कहा, नागरिक प्रशासन, पुलिस, वन विभाग के अधिकारी और सीआरपीएफ के जवान घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। स्थिति नियंत्रण में किंतु तनावपूर्ण बनी हुई है। अधिकारी ने बताया कि आग लगने के कारण संपत्तियों के साथ घर के कई सामान नष्ट हो गए।

नौकरी जाने के डर से शिक्षक दंपति ने अपने चौथे बच्चे को जंगल में छोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छिंदवाड़ा (मध्यप्रदेश)/भाषा। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के एक शिक्षक दंपति ने नौकरी जाने के डर से अपने चौथे बच्चे को कथित तौर पर जंगल में छोड़ दिया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एक बाइक सवार ने नवजात बच्चे के रोने की आवाज सुनी और पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद दंपति के इस कृत्य का पर्दाफाश हुआ। पुलिस उप-विभागीय अधिकारी कल्याणी बरकड़े ने बताया कि 24 सितंबर को जन्मे इस लड़के को माता-पिता ने अमरवाड़ा तहसील के अंतर्गत नंदनवाड़ी-तहतोरी जंगल में छोड़ दिया था।

बचाए जाने के बाद, बच्चे को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया और पुलिस ने उसके माता-पिता की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी। अमरवाड़ा तहसील के सिधौली स्थित प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत बच्चे के माता-पिता का आखिरकार पता लगा लिया गया। उन्होंने पुलिस को बताया कि यह बच्चा उनका चौथा बच्चा था और उन्हें डर था कि इसके चलते उनकी सरकारी नौकरी जा सकती है। मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियमों के अनुसार, यदि किसी सरकारी कर्मचारी का तीसरा बच्चा 26 जनवरी, 2001 के बाद जन्मा है, तो वह कर्मचारी सरकारी नौकरी के लिए अयोग्य हो जाता है।

अधिकारी ने बताया कि बबलू डंडोलिया (38) और राजकुमारी डंडोलिया (28) नामक दंपति को बुधवार को गिरफ्तार किया गया। उन्हें अदालत में पेश किया गया, जहां से बाद में उन्हें जमानत मिल गई।

खंड शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र वर्मा ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

जिला शिक्षा अधिकारी गोपाल सिंह बघेल ने कहा कि उन्होंने दंपति की शिक्षक के रूप में नियुक्ति से संबंधित स्कूल के रिकॉर्ड मंगवाए हैं। उन्होंने कहा कि जांच के बाद उचित कदम उठाए जाएंगे।

ओडिशा की जेल से दो कैदी फरार, कर्मचारी मना रहे थे दशहरा

कटक/भाषा। ओडिशा के कटक जिले में उच्च सुरक्षा वाली चौद्वार सर्कल जेल से दो विचाराधीन कैदी चारदीवारी फांदकर फरार हो गए। यह जानकारी अधिकारियों ने शुक्रवार को दी। उनकी पहचान बिहार निवासी राजा सहनी और चंद्रकांत कुमार के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि दोनों को जनवरी में जाजपुर जिले में एक आभूषण दुकान में लूटपाट और दो व्यक्तियों की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

महानिदेशक (कारागार एवं सुधार सेवाएं) सुशांत कुमार नाथ ने शुक्रवार को जेल का दौरा किया और उन परिस्थितियों की समीक्षा की जिनके तहत दो कैदी बृहस्पतिवार रात उस समय भाग गए जब कर्मचारी और कैदी दशहरा मना रहे थे। नाथ ने संवाददाताओं से कहा, मैंने कर्तव्य में लापरवाही के आरोप में जेल के एक मुख्य वार्डर और एक वार्डर को निलंबित कर दिया है और चौद्वार पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। डीआईजी सेंट्रल रेंज को जांच सौंपी गई है।

राहुल गांधी भारत विरोधी ताकतों के झंडाबरदार बन गए हैं: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि राहुल गांधी देश में ''भारत विरोधी ताकतों का एजेंडा आगे बढ़ाने के लिए उनके झंडाबरदार'' बन गए हैं। पार्टी ने लोगों से उनसे सावधान रहने का आह्वान किया।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कोलंबिया में एक संगोष्ठी में गांधी की हालिया टिप्पणी की आलोचना की और आरोप लगाया कि अब यह स्पष्ट हो गया है कि 100 साल से अधिक समय तक नेहरू-गांधी परिवार के नियंत्रण में रही कांग्रेस भारत विरोधी ताकतों के चंगुल में फंसती जा रही है। बृहस्पतिवार को कोलंबिया के एक विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस नेता की टिप्पणी का जिक्र करते हुए त्रिवेदी ने कहा, उन्होंने कहा कि (भारत में) 16-17 भाषाएं हैं। अब आप देखेंगे कि वह भाषाओं के मुद्दे पर संघर्ष पैदा करने की कोशिश करेंगे। (देश में) उत्तर-दक्षिण संघर्ष पैदा करने के प्रयास पहले भी किए जा चुके हैं। उन्होंने लोगों से राहुल गांधी और नेहरू-गांधी परिवार से सावधान रहने की अपील करते हुए आरोप लगाया कि राहुल गांधी भारत विरोधी ताकतों के झंडाबरदार बन गए हैं। भाजपा के राज्यसभा सदस्य ने कहा, आज ऐसा लगता है कि उनके जैसा विपक्ष का नेता होना भारतीय लोकतंत्र के दिल में कांटे की तरह है। उन्होंने कहा, कांग्रेस में जो लोग जानते हैं कि पार्टी खतरनाक विदेशी ताकतों के चंगुल में फंस रही है, वे देशद्रोह कर रहे हैं। मैं उन लोगों से अपील करता हूं जिन्हें इसकी जानकारी नहीं है कि वे उचित सावधानी बरतें और ऐसे नेताओं को रोकें। त्रिवेदी ने कहा कि एक समय था जब कांग्रेस के पास परिपक्व नेतृत्व था। उन्होंने आरोप लगाया कि लेकिन आज, कांग्रेस नेतृत्व बहुत अपरिपक्व है।

डीवीसी ने विजयादशमी पर बाढ़ जैसी स्थिति 'पैदा' की : ममता का आरोप

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राज्य सरकार को पूर्व सूचना दिए बिना दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) ने 65,000 क्यूसेक पानी छोड़ दिया। साथ ही उन्होने डीवीसी पर दो अक्टूबर को विजयादशमी समारोह के दौरान द. बंगाल के जिलों में जानबूझकर बाढ़ जैसी स्थिति पैदा करने का आरोप लगाया। तीखे शब्दों में लिखे एक पोस्ट में ममता बनर्जी ने पानी के छोड़े जाने को ''लापरवाह और शर्मनाक'' बताया और कहा कि इसने बंगाल में लाखों लोगों के जीवन को खतरे में डाल दिया। उन्होंने पोस्ट में कहा, विजयादशमी दुर्गा पूजा के समापन का प्रतीक है - जो आनंद, उल्लास और नई उम्मीदों का समय होता है।

बिहार विधानसभा चुनाव में राजग की बड़ी जीत होगी : केशव प्रसाद मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के सह प्रभारी केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को दावा किया कि राज्य में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) आगामी चुनाव में अब तक की सबसे बड़ी जीत हासिल करेगा।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मौर्य शुक्रवार को पटना पहुंचे, जहां पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए मौर्य ने आगामी चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत का भरोसा जताते हुए कहा, बिहार की जनता हर सवाल का जवाब वोट से देगी। राज्य के इतिहास में राजग की सबसे बड़ी जीत पहले हो चुकी है, उससे भी बड़ी जीत 2025 में होगी। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बिहार चुनाव का प्रभारी और केशव मौर्य को सह प्रभारी नियुक्त किया है। 'आई लव मोहम्मद' बयान को लेकर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) नेता असदुद्दीन ओवैसी द्वारा भाजपा पर लगाए गए आरोपों पर मौर्य ने कहा कि जनता चुनाव में हर सवाल का जवाब देगी। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, राहुल गांधी विदेश जाकर भारत के लोकतंत्र पर सवाल उठाते हैं, जबकि इसी लोकतंत्र ने उन्हें संसद तक पहुंचाया है।

विपक्ष के सवालों का जवाब भी जनता अपने वोट से देगी। शिवसेना (उबाठा) नेता उद्धव ठाकरे की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर की गई टिप्पणी पर पलटवार करते हुए मौर्य ने कहा कि विपक्ष केवल बयानबाजी तक सीमित है, जबकि भाजपा जनता के बीच जाकर काम कर रही है।

बिहार में एक करोड़ से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में 10 हजार रु. की सहायता राशि भेजी गई

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार की 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के तहत अब तक एक करोड़ से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में 10-10 हजार रुपए की सहायता राशि भेजी जा चुकी है। नीतीश ने पटना में मुख्यमंत्री आवास में आयोजित कार्यक्रम में 25 लाख महिला लाभार्थियों के खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 2,500 करोड़ रु. की राशि अंतरित की। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने 26 सितंबर को योजना की शुरुआत के मौके पर 75 लाख महिलाओं के बैंक खातों में 10-10 हजार रु. अंतरित किए थे।

नीतीश ने कहा, अब तक कुल एक करोड़ महिलाओं को 10-10 हजार रुपए की राशि प्रदान की जा चुकी है। आने वाले दिनों में बाकी लाभार्थियों को भी इसी तरह की सहायता दी जाएगी। राशि अंतरित करने के लिए अगली तिथि छह अक्टूबर निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' का उद्देश्य हर परिवार की कम से कम एक महिला को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के लिए आरक्षण और सरकारी योजनाओं में हिस्सेदारी बढ़ाकर बिहार सरकार ने हमेशा उन्हें सशक्त बनाने का प्रयास किया है। उन्होंने याद दिलाया कि राज्य में पंचायतों और नगर निकायों में 50% आरक्षण और पुलिस एवं सरकारी नौकरियों में 35% आरक्षण की व्यवस्था पहले लागू की जा चुकी है।

आजादी के बाद कांग्रेस खादी को भूल गई, मोदी सरकार ने उसे बढ़ावा देने का प्रण लिया : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रोहतक/भाषा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि खादी केवल पोशाक नहीं होती, बल्कि 'स्वदेशी' और 'आत्मनिर्भरता' की भावना होती है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वह आजादी के बाद खादी को भूल गई और उसे बढ़ावा देने के लिए कुछ नहीं किया।

गृह मंत्री ने शुक्रवार को यहां 'खादी कारीगर महोत्सव' को संबोधित करते हुए यह बात कही। इससे पहले उन्होंने रोहतक में नवनिर्मित साबर डेयरी प्लांट का उद्घाटन किया।

देश पर कई दशकों तक राज करने वाली कांग्रेस का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि आजादी के बाद कांग्रेस खादी को भूल गई। उन्होंने ने यहां 'खादी कारीगर महोत्सव' कार्यक्रम के दौरान कहा, उसने (कांग्रेस ने) खादी पर ध्यान नहीं दिया और उसके प्रचार-प्रसार के लिए कुछ नहीं किया। नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा खादी के प्रचार-प्रसार के लिए उठाये गए कदमों का जिक्र करते हुए गृहमंत्री ने कहा,''मुझे लगता है कि पिछले 11 वर्ष में जो काम किया गया है अगर वह आजादी के बाद लगातार किया गया होता तो हमारे देश को बेरोजगारी की समस्या का सामना कभी नहीं करना पड़ता। खादी कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि बृहस्पतिवार को 'गांधी जयंती' मनाई गई।

गृहमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी ने देश के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान गरीबी दूर करने, देश को आत्मनिर्भर बनाने, देश को स्वदेशी का विचार देने और देश को स्वतंत्रता दिलाने के लिए खादी का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी द्वारा खादी के क्षेत्र में की गई शुरुआत ने देश के लाखों बुनकरों के जीवन को बदल दिया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी द्वारा दिए गए 'खादी मंत्र' ने स्वतंत्रता आंदोलन को गति दी। शाह ने कहा, लेकिन इसके बाद, कांग्रेस खादी को भूल गई। उन्होंने कहा कि जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने खादी को पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया था।

ध्रुव जुरेल ने अपना पहला टेस्ट शतक भारतीय सेना को समर्पित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने शुक्रवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना पहला टेस्ट शतक भारतीय सेना को समर्पित करते हुए कहा कि उनके मन में हमेशा 'रणभूमि में उनके योगदान के लिए सम्मान' रहा है।

जुरेल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन 125 रनों की शानदार पारी खेली। भारत ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक तक पांच विकेट पर 448 रन का मजबूत स्कोर बना लिया। उनके अनुभवी साथी लोकेश राहुल (100) और रविंद्र जडेजा (नाबाद 104) ने भी शतक जड़े। बल्ले से अपने शानदार प्रदर्शन के अलावा 24 वर्षीय जुरेल ने अर्धशतक और फिर शतक पूरा करने के बाद जश्न मनाने के अपने तरीके से सबका ध्यान खींचा।

जुरेल के पिता भारतीय सेना में रहे है और वह कारगिल युद्ध में शामिल थे। उन्होंने अर्धशतक और शतक पूरा करने के बाद सलामी देने की मुद्रा के साथ अपने पिता और भारतीय सेना को सम्मान दिया। इस 24 साल के खिलाड़ी ने कहा, अर्धशतक पूरे होने पर सलामी मेरे पिता के लिए थी। मैं भारतीय सेना के बहुत करीब रहा हूं, मैंने अपने पिता को बचपन से देखा है इस लिए यह मेरे दिमाग में बहुत पहले था कि शतक सेना को समर्पित करूं। उन्होंने कहा, हम खेल के मैदान पर जो करते हैं और वे रणभूमि में जो करते हैं, उस में बहुत अंतर है और आप उसकी तुलना नहीं कर सकते। मैं हमेशा उनके प्रति सम्मान रखूंगा और भविष्य में जो भी करूंगा, उनके लिए करूंगा। दायें हाथ के इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, मैं यह उपलब्धि (भारतीय सेना को) उनके काम के लिए समर्पित करना चाहूंगा। मैंने उन्हें बहुत करीब से देखा है और मैं उनकी चीजों में बहुत दिलचस्पी रखता हूं।

जुरेल, जडेजा और राहुल की शतकीय पारियों से भारत ने वेस्टइंडीज पर कसा शिकंजा

अहमदाबाद/भाषा। विकेटकीपर ध्रुव जुरेल (125), हरफनमौला रविंद्र जडेजा (नाबाद 104) और सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल (100) की शतकीय पारियों से भारत ने दो मैचों की शृंखला के शुरुआती टेस्ट के दूसरे दिन शुक्रवार को यहां अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 448 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। वेस्टइंडीज की पहली पारी 162 रन पर सिमटी थी। भारत ने पांच विकेट शेष रहते 286 रन की बढ़त के साथ मैच पर अपना शिकंजा कस दिया। पिच पर गेंदबाजों के पैर वाले निशान से स्पिनरों को मिल रहे असामान्य उछाल को देखते हुए वेस्टइंडीज के लिए अब पारी की हार को टालना भी मुश्किल होगा। चौबीस साल के जुरेल ने भारतीय पारी के 116वें ओवर में वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेज के खिलाफ चौके के साथ 190 गेंद में टेस्ट करियर का अपना पहला शतक पूरा किया तो वहीं शानदार लय में चल रहे जडेजा ने इसके 10 ओवर बाद वारिकन के खिलाफ एक रन चुरा कर 168 गेंद में अपना छठा टेस्ट शतक पूरा किया। इस मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ प्रथम श्रेणी मुकाबले में 140 रन बनाने वाले जुरेल ने 210 गेंद की पारी में 15 चौके और तीन छक्के जड़े। जडेजा ने थोड़ी तेजी से बल्लेबाजी करते हुए अब तक 176 गेंद की पारी छह चौके और पांच बड़े छक्के लगा चुके हैं। दोनों ने दिन के दूसरे और तीसरे सत्र में पूरी तरह से हावी होते हुए पांचवें विकेट के लिए 206 रन की साझेदारी कर मैच में वेस्टइंडीज के लिए वापसी के रास्ते को लगभग बंद कर दिया।

मीराबाई चानू ने विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फोर्डे (नॉर्वे)/भाषा। स्टार भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने यहां विश्व चैंपियनशिप में 48 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता। इसके साथ ही इस प्रतिष्ठित स्पर्धा में उनका शानदार रिकॉर्ड और मजबूत हो गया, जहां वह पहले भी दो बार पदक जीत चुकी हैं।

चानू 2017 की विश्व चैंपियन और 2022 की रजत पदक विजेता हैं, उन्होंने कुल 199 किग्रा (स्नैच में 84 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 115 किग्रा) वजन उठाया। क्लीन एंड जर्क में पूर्व विश्व रिकॉर्ड धारक चानू ने 109 किग्रा, 112 किग्रा और 115 किग्रा भार आसानी से उठाया। पिछली बार उन्होंने 2021 में टोक्यो ओलंपिक में 115 किग्रा भार उठाया था, जहां उन्होंने रजत पदक जीता था। चानू ने कहा, मैं पोडियम पर जगह पाकर खुश हूं। अगस्त में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में मेरे पिछले प्रदर्शन के बाद इससे मुझे आने वाले वर्ष के लिए बहुत आत्मविश्वास मिला है। उन्होंने कहा, अब हर प्रतियोगिता 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक की मेरी तैयारी का हिस्सा है। आगामी राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल उस यात्रा में महत्वपूर्ण पड़ाव होंगे।

मेरा ध्यान कड़ी मेहनत करने, हर प्रतियोगिता से सीखने और देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर है। मुख्य कोच विजय शर्मा ने कहा कि विश्व चैंपियनशिप में चानू का पोडियम पर पहुंचना उनकी निरंतरता और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा, यह उनके करियर के एक बेहद अहम दौर की शुरुआत है क्योंकि अगले साल होने वाले राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल लॉस एंजिलिस ओलंपिक से पहले उनके लिए अहम परीक्षा होंगे।

मैंने कड़ी मेहनत का आनंद लेने और शतक बनाने पर काम किया है : केएल राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

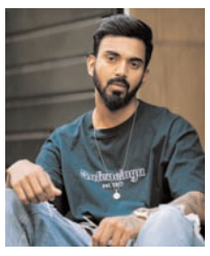

अहमदाबाद/भाषा। भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ने एक दशक से भी ज्यादा के करियर में घरेलू मैदान पर सिर्फ दो टेस्ट शतक जड़े हैं लेकिन उन्होंने शुक्रवार को कहा कि वह इसे सुधारने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

इंग्लैंड दौरे पर शानदार प्रदर्शन करने वाले राहुल ने यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन अपना 11वां शतक जड़ा जबकि इससे पहले घरेलू मैदान पर शतक 2016 में चेन्नई में इसी टीम के खिलाफ लगा था। दिन का खेल खत्म होने के बाद जब राहुल से घरेलू मैदान पर बने सिर्फ दो शतकों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, नहीं पता, सच में। लेकिन मैंने पिछले एक साल में अपनी बल्लेबाजी की लय बनाए रखने पर काम किया है। बस उन सभी दौर का आनंद ले रहा हूं जो मेरे लिए इतने रोमांचक नहीं होते।

राहुल ने कहा कि वह घरेलू मैदान पर खेलते हुए एक और दो रन लेने पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उनका कहना है कि वह ऐसा पहले नहीं कर पाते थे। उन्होंने कहा, जब आप विदेश में अतिरिक्त उछाल के साथ स्विंग वाली परिस्थितियों में खेलते हैं तो ऐसा करना बहुत चुनौतीपूर्ण होता है। और जब आप घर वापस आते हैं और जब तीन स्पिनर खेल रहे होते हैं तो आपको एक रन लेकर स्कोर बढ़ाने की जरूरत होती है क्योंकि बाउंड्री इतनी आसानी से नहीं लगतीं।

सुविचार

एक बेहतरीन किताब 100 अच्छे दोस्त के बराबर है, लेकिन एक सर्वश्रेष्ठ दोस्त पुस्तकालय के बराबर है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सच्ची समृद्धि का सूत्र

मनुष्य को अपने जीवन की विभिन्न जरूरतें पूरी करने के लिए धन कमाना और उसे खर्च करना होता है। सुखी जीवन के लिए बुद्धिपूर्वक कमाने और विवेकपूर्वक खर्च करने की कला का ज्ञान होना चाहिए। ऐसे कई लोग मिल जाएंगे, जिनकी महीने की कमाई लाखों में है, फिर भी 15 तारीख आते-आते तंगी में गुजारा करने को मजबूर हो जाते हैं! वे धन कमाना तो जानते हैं, लेकिन उसे सही तरीके से खर्च करना नहीं जानते। वे इस वजह से परेशानियों का सामना करते हैं। 'तेते पांव पसारिए, जेती लांबी सौर' - जैसी कहावतें यूं ही नहीं बनी हैं। हमारे पूर्वजों ने ऐसे लोगों को देखा था, जिन्होंने धन तो खूब कमाया, लेकिन अविवेकपूर्वक खर्च करने की आदत से परेशानियों के भंवर में फंसे थे। उनके जीवन में वित्तीय अनुशासन नहीं था, इसलिए उन्हें दूसरों के सामने हाथ फैलाने पड़े थे। कोरोना काल में जब काम-धंधे ठप पड़ गए थे, तब वित्तीय अनुशासन अपनाने वाले परिवार उस संकट में मजबूती से खड़े रहे थे। वहीं, अपनी कमाई से ज्यादा खर्च करने वालों को बहुत तंगी का सामना करना पड़ा था। देश-दुनिया में ऐसे अनगिनत उदाहरण मिल जाएंगे। माइकल जैक्सन, जो पॉप संगीत के बादशाह माने जाते थे, की कमाई अरबों में थी। उनका नाम अपने समय के सबसे धनी कलाकारों में शुमार किया जाता था। वे जीवन के आखिरी वर्षों में दिवालियापन के कगार पर खड़े थे। अनियंत्रित खर्चों और गलत वित्तीय फैसलों ने एक समृद्ध कलाकार को उस मुकाम पर लाकर खड़ा कर दिया था, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना नहीं की होगी।

भारत के एक मशहूर उद्योगपति के बेटे कभी अपनी शानो-शौकत के लिए जाने जाते थे। उन्हें अपने पिता से विरासत में इतना धन मिला था कि अगर सूझबूझ से काम लेते तो बहुत उन्नति करते। उनके गलत वित्तीय फैसलों की वजह से कंपनी की हालत खस्ता हो गई। उन पर कई बैंकों का कर्ज चढ़ गया। वे आजकल मुकदमेबाजी का सामना कर रहे हैं। इसी तरह, एक और उद्योगपति ने अपनी कंपनी के आकर्षक कैलेंडरों की वजह से खूब सुर्खियां बटोरी थीं। उनके ठाठ निराले थे। लोग उनके वीडियो देखकर कहते थे, 'किस्मत हो तो ऐसी!' अब वे उद्योगपति बैंक ऋण धोखाधड़ी के गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं। भारत सरकार विदेश से उनके प्रत्यर्पण की कोशिश कर रही है। अविभाजित भारत में जन्मे और बाद में पाकिस्तान जाकर शहंशाह-ए-ग़ज़ल के तौर पर मशहूर हुए मेहदी हसन को बुढ़ापे में आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ा था। उनके परिवार को चिकित्सा खर्च के लिए मदद की गुहार लगानी पड़ी थी। ये उदाहरण बताते हैं कि धन का होना ही काफी नहीं है। उसे संभालने और खर्च करने की कला आनी चाहिए। आज भारत का मध्यम वर्ग तेजी से बदलते सामाजिक और आर्थिक माहौल में देखादेखी की आदत का शिकार हो रहा है। अगर पड़ोसी ने नई कार खरीद ली तो उसे भी चाहिए। अगर दफ्तर में किसी ने महंगा स्मार्टफोन ले लिया तो उसे भी लेना है। अगर किसी सहेली ने महंगा जेवर बनवा लिया तो उसके पास भी होना चाहिए। अमीरी का यह नकली प्रदर्शन लोगों को अनावश्यक खर्चों की ओर धकेल रहा है। इसका नतीजा यह है कि घरों में क्लेश है, जीवन में अशांति है। अनावश्यक खर्चों के मकड़जाल में ऐसे उलझे हुए हैं कि बाहर निकलने का कोई रास्ता नज़र नहीं आता। इन लोगों से तो वह व्यक्ति ज्यादा सुखी है, जो कम कमाता है, लेकिन उसमें से भी कुछ-न-कुछ बचाता है। अविवेकपूर्वक खर्च करने और कर्ज लेकर घी पीने की आदत परेशानियों को न्योता देती है। विवेकपूर्वक खर्च करने में ही सच्ची समृद्धि है।

ट्वीटर टॉक

आज हैदराबाद प्रवास के दौरान भाजपा तेलंगाना पार्टी कार्यालय में भाजपा लीगल सेल, बार काउंसिल एवं अधिवक्ता पैनल काउंसल व अन्य कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की एवं विभिन्न विधिक विषयों एवं संगठनात्मक कार्यों पर सार्थक चर्चा हुई।

-अर्जुनराम मेघवाल

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिरिराज प्रसाद तिवाड़ी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें व शोकाकुल परिवारजनों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करे।

-भजनलाल शर्मा

जमीर मारकर कुर्सियों से चिपके हुए लोग, जब सत्ता में बैठें हो तो शर्म और संवेदना कहां बचेगी! जिस मां की गोद उजड़ गई, जिसका कलेजा छिन गया, भाजपा सरकार उस मां को अपने बच्चे की मौत का जिम्मेदार बता रही है। शर्मनाक!

-गोविंद सिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

सुलझाने का धैर्य

कबीरदास अपने जीवनयापन के लिए बुनाई का काम करते थे। एक दिन वे चरखे पर सूत कात रहे थे। अचानक धागा उलझ गया। पास बैठा शिष्य बोला, 'गुरुजी, यह धागा बहुत उलझा हुआ है। इसे काटकर नया धागा शुरू करना ही ठीक रहेगा।' कबीर मुस्कुराए और बोले, 'नहीं बेटा, धागा काटना आसान है, पर उलझे धागे को सुलझाना ही असली साधना है। जीवन भी ऐसा ही है। कठिनाइयों से भाग जाना सरल है, पर धैर्य रखकर उन्हें सुलझाना ही सच्चा ज्ञान है।' शिष्य ने कहा, 'पर गुरुजी, इसमें समय बहुत लगेगा।' कबीर ने उत्तर दिया, 'समय लगना बुरा नहीं, पर अधूरा छोड़ना बुरा है। धागे की तरह ही रिश्ते, समाज और आत्मा भी कभी उलझ जाते हैं। यदि हम उन्हें काट देंगे तो नया आरंभ संभव है, पर अधूरेपन का बोझ हमेशा रहेगा। जो धैर्य से सुलझाना सीख जाता है, वही सच्चा साधक है।' यह सुनकर शिष्य ने समझा कि गुरु केवल चरखा नहीं चला रहे, बल्कि जीवन का गहरा ज्ञान दे रहे हैं। जीवन की कठिनाइयां उलझे धागों की तरह होती हैं। उन्हें काटकर भाग जाना आसान है, पर धैर्य और विवेक से सुलझाना ही सच्ची साधना और सफलता है।

सामयिक

स्वदेशी एवं स्वावलम्बन ही नये भारत का आधार

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

आज की वैश्विक परिस्थितियों पर ष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है। भारत के पास भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक समृद्धि की धरोहर है। यही धरोहर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्रदान करती है। संघ की शताब्दी वर्ष की सम्पूर्णता का उद्घोष केवल संघ के स्वयंसेवकों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश और विश्व के लिए एक संदेश है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना महोत्सव यानी प्रत्येक वर्ष विजयदशमी के अवसर पर संघ प्रमुख का उद्बोधन एक नए संदेश और नये दृष्टिकोण के साथ सामने आता है, इस उद्बोधन का पूरा राष्ट्र इंतजार करता है। इस बार संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कई ऐसी बातें कहीं, जो सरकार के साथ समाज के लोगों का ध्यान खींचने वाली हैं। इस पर आश्चर्य नहीं कि उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत पर थोपे गए टैरिफ की चर्चा की। 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ ने भारत के समक्ष जो कठिन चुनौती खड़ी कर दी है, उसका प्रभावी ढंग से सामना स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही किया जा सकता है। भागवत ने संबोधन में स्वदेशी और स्वावलंबन को नए भारत का आधार बताया है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में परस्पर निर्भरता एक स्वाभाविक स्थिति है, लेकिन यह निर्भरता कभी भी बंधन या मजबूरी में परिवर्तित नहीं होनी चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ना होगा ताकि विदेशी निर्णयों और नीतियों पर हमारी नियंत्रण क्षमता सीमित न हो जाए। उनका कहना था कि स्वदेशी का अर्थ यह नहीं है कि हम दुनिया से कट जाएं, बल्कि यह है कि हम अपनी शर्तों पर और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संबंध बनाएं।

संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष सम्पूर्णता की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है, नए मनुष्य एवं सशक्त-स्वावलम्बी भारत का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति एवं सशक्त राष्ट्रीय भावना में देखा जा सकता है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है।

भागवत ने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक दृष्टि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने विविधता को भारत की विशेषता बताया और समाज में विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर चेताया। उन्होंने पंच परिवर्तन की संकल्पना भी प्रस्तुत की जिसमें आत्मजागरूकता, पारिवारिक मूल्य, नागरिक अनुशासन और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को जोड़ा गया है। इस संदेश के सकारात्मक पक्ष अनेक हैं। यदि इसे गंभीरता से अपनाया जाए तो यह देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को नई दिशा दे सकता है। स्थानीय उद्योगों, हस्तशिल्प और कृषि को बढ़ावा देने से रोजगार का सृजन होगा और आर्थिक आत्मसम्मान मजबूत होगा। स्वदेशी पर बल देने से विदेशी निर्भरता घटेगी और देश की सुरक्षा व नीति संबंधी स्वतंत्रता बढ़ेगी। यदि समाज के स्तर पर भी इस सोच को अपनाया जाए तो उपभोक्तावाद के स्थान पर संवेदनशीलता और सेवा भाव विकसित होगा। विविधता के सम्मान और सामाजिक सद्भाव के आग्रह से राष्ट्र अधिक एकजुट और शक्तिशाली बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जिस आत्मनिर्भर भारत का आह्वान कर रहे हैं, उसका मूल उद्देश्य केवल आर्थिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है। यह संदेश देश की घरेलू क्षमताओं को सशक्त बनाने, आयात पर निर्भरता घटाने और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ विकास की दिशा को व्यापक सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ता है, जिसमें महात्मा गांधी की स्वदेशी अपनाओ' और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय' की परिकल्पना स्पष्ट तौर पर समाहित है।

स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही नया भारत-सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। इस बात को सरकार भी रेखांकित कर चुकी है और अब संघ प्रमुख ने भी दोहरा दिया। यह समय की मांग है कि स्वदेशी और स्वावलंबन पर तब तक बल दिया जाए, जब तक वांछित सफलता न मिल जाए। जहां सरकार को स्वदेशी की राह को आसान करना होगा, वहीं समाज को सहयोग देने के लिए तत्पर रहना होगा। इस उम्मीद में नहीं रहा जाना चाहिए कि अमेरिका के साथ शीघ्र ही आपसी व्यापार समझौता हो जाएगा। एक तो जब तक ऐसा हो न जाए तब तक चैन से नहीं बैठा जा सकता और दूसरे, यदि ऐसा हो जाए तो भी भारत को स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलना छोड़ना नहीं चाहिए। व्यापारिक साझेदारों पर निर्भरता लाचारी में नहीं बदलनी चाहिए। वास्तव में इस स्थिति से बचने का ही उपाय है स्वदेशी उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करना। परंतु इस संदेश के साथ कई चुनौतियां और सीमाएं भी जुड़ी हुई हैं। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था इतनी आपस में गुँथी हुई है कि किसी भी देश का पूर्ण स्वावलंबन व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। अनेक तकनीकें और कच्चे माल अब भी हमें विदेशों से ही प्राप्त करने होते हैं। यदि स्वदेशी को बढ़ावा देने के नाम पर विदेशी व्यापार पर प्रतिबंध या अधिक शुल्क लगाए जाते हैं तो यह व्यापार युद्ध और आर्थिक तनाव को जन्म दे सकता है। इस संदेश की सफलता केवल भाषणों और भावनात्मक नारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि ठोस नीतियों, बजट, शोध और योजनाओं के आधार पर इसे अमल में लाना होगा।

सामाजिक दृष्टि से भी यह आवश्यक है कि स्वदेशी और स्वावलंबन का नारा केवल एक सांस्कृतिक या राजनीतिक रंग में न ढल जाए। यह तभी कारगर होगा जब इसे हर वर्ग, हर धर्म और हर क्षेत्र का साझा लक्ष्य बनाया जाएगा। नागरिकों की आदतों और व्यवहार में बदलाव लाना आसान नहीं है, लेकिन यदि यह बदलाव शिक्षा, प्रोत्साहन और जनचेतना के माध्यम से लाया जाए तो यह नारा समाज में गहरी जड़ें जमा सकता है। संघ प्रमुख का यह संदेश नए भारत की दिशा में प्रेरणा का स्रोत है। यह हमें बताता है कि हमें अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति पर गर्व करना चाहिए, वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टि से सशक्त होना चाहिए और विश्व के साथ संवाद स्थापित करते हुए भी अपनी स्वायत्तता को बनाए रखना चाहिए। किंतु इसके लिए आलोचनात्मक विवेक, व्यावहारिक सोच और निरंतर समीक्षा की आवश्यकता है। आज विभिन्न देशों की परस्पर मित्रता का आधार अपने-अपने आर्थिक-कूटनीतिक हित हैं। इन स्थितियों में सर्वोत्तम उपाय स्वदेशी को बल देते हुए देश को आत्मनिर्भर बनाना है।

आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है। भारत के पास भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक समृद्धि की धरोहर है। यही धरोहर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्रदान करती है। संघ की शताब्दी वर्ष की सम्पूर्णता का उद्घोष केवल संघ के स्वयंसेवकों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश और विश्व के लिए एक संदेश है। यह संदेश है- स्वावलम्बी एवं स्वदेशी भावना को बदल देना, नए मनुष्य का निर्माण करना, गरीब को उठाना, धर्मों को जोड़ना, समाज में समरसता स्थापित करना और हिंदुत्व की व्यापक जीवन दृष्टि के आधार पर विश्व को दिशा देना। यह केवल भाषण नहीं, बल्कि एक संकल्प है।

नजरिया

एक-दूसरे के पूरक हैं मनुष्य और पशु

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584

पशुओं के कल्याण मानकों में सुधार को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 4 अक्तूबर को 'विश्व पशु कल्याण दिवस' मनाया जाता है। विश्व पशु दिवस पहली बार बर्लिन में 24 मार्च 1925 को पशु कल्याण के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया गया था। पशुओं की लुप्तप्राय प्रजातियों की दुर्दशा को उजागर करने के लिए इटली के फ्लोरेंस में 1931 में आयोजित पारिस्थितिकीविदों के एक सम्मेलन में विश्व पशु दिवस की शुरुआत की गई और तब असीसी के सेंट फ्रांसिस के पर्व के कारण यह दिवस मनाने के लिए प्रतिवर्ष 4 अक्तूबर को ही चुना गया। 2003 में पहली विश्व पशु दिवस वेबसाइट यूके स्थित पशु कल्याण चैरिटी नेचर वॉच फाउंडेशन' द्वारा लांच की गई थी। इस दिन पशु अधिकारों को बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों एवं संगठनों का समर्थन करके जानवरों के प्रति प्यार, देखभाल, स्नेह और सुरक्षा को प्रोत्साहित करता है। पशुओं के अधिकारों के लिए यह एक ऐसी वैश्विक पहल है, जिसका प्रमुख उद्देश्य पशु कल्याण के लिए बेहतर मानक सुनिश्चित करना है।

पशु प्रेम के बारे में महात्मा गांधी कहते थे कि किसी राष्ट्र की महानता और उसकी नैतिक प्रगति का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां जानवरों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। पशु मानव जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो न केवल हमारे जीवन को समृद्ध बनाते हैं बल्कि हमें बेहतर इंसान भी बनाते हैं। पारिस्थितिकी तंत्र में सभी जानवर प्रकृति की पारिस्थितिकी को संतुलित रखते हुए हमारे पर्यावरण की रक्षा करने और मानव स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में भी समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मनुष्य और पशु न केवल एक-दूसरे पर निर्भर हैं बल्कि एक-दूसरे के पूरक भी हैं। सही मायनों में दोनों का अस्तित्व ही खुशहाली का प्रतीक है और यदि जंगल से किसी एक जीव की प्रजाति भी लुप्त होती है तो उसका असर सम्पूर्ण पर्यावरण पर पड़ता है।

विश्व पशु दिवस विश्वभर में कल्याण मानकों के मिशन के साथ जानवरों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक ऐसा सामाजिक आन्दोलन है, जो प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 'विश्व पशु कल्याण दिवस' की थीम है 'जानवरों को बचाओ, ग्रह को बचाओ!'। भारत में करीब 70 फीसद आबादी कृषि तथा कृषि संबंधी व्यवसायों पर निर्भर है। प्राचीन काल से ही पशुपालन और कृषि व्यवसायों का आपस में गहरा संबंध रहा है। गरीबी से त्रस्त परिवारों के लिए तो पशुधन ग्रामीण मुद्राएं हैं, जो खासकर गरीब परिवारों के लिए बीमा विकल्प के रूप में भी कार्य करता है क्योंकि यह उनके लिए ऐसी सम्पत्ति है, जिसे संकट के समय बेचा जा सकता है। यही कारण है पालतू पशुओं को पशुधन' कहा जाता है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में भी पशुधन की बड़ी भागीदारी रही है।

मानव और पशुओं के आपसी संबंध मानव जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं क्योंकि पशुओं का मानवीय समाज में विभिन्न रूपों में योगदान होता है। पशुओं के साथ रहने से हमें स्वभाविक संवेदनशीलता, प्यार, सहयोग और उन्नति का अनुभव होता है। बहुत से पशु-पक्षी तो ऐसे हैं, जो यदि धरती पर नहीं हों तो पृथ्वी पर मनुष्य का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। अनेक मामलों में देखा जाता है कि मानवीय स्वार्थ के लिए कई जानवरों की निर्मम हत्या कर दी जाती है। दरअसल इन पशुओं के विभिन्न अंग तथा उनके मल-मूत्र इत्यादि दवाईयां बनाने से लेकर खेतीबाड़ी तक में काम आते हैं और इनके कंकाल उर्वरक का काम करते हैं। हाथियों को हाथी दांत और गैंडे को उसके सींगों के लिए बेदर्दी से मौत के घाट उतार दिया जाता है जबकि उनकी प्राकृतिक मौत होने पर ये चीजें वैसे ही मिल जानी होती हैं। हाथी और गैंडे कीचड़ में रहकर दूसरे जानवरों के पीने के लिए किनारे पर पानी का इंतजाम करते हैं और सूखा नहीं पड़ने देते। हाथी जमीन को उपजाऊ बना सकता है जबकि गैंडा कीचड़ में रहकर मिट्टी की अदला-बदली का काम करता है और प्रतिदिन करीब पचास किलो वनस्पति की खुराक होने से जंगल में कूड़ा-कर्कट नहीं होने देता। उसके शरीर पर फसल के लिए हानिकारक कीड़े जमा हो जाते हैं, जो पक्षियों का भोजन बनते हैं। इस प्रकार गैंडे प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हैं। वैसे तो सभी पशु-पक्षी मनुष्य के सहायक होते हैं लेकिन उनके व्यवहार को समझे बगैर यदि उनके रहने की जगहों को उजाड़ने के प्रयास किए जाते हैं तो वे हिंसक होकर विनाश कर सकते हैं।

तुर्की के विख्यात नाटककार, उपन्यासकार और विचारक मेहमत मूरत इल्डन का कहना था कि दुनिया में वन्यजीवों की रक्षा केवल दयालु दिलों के प्यार से ही की जा सकती है। वाइल्ड हार्ट वाइल्ड लाइफ फाउंडेशन के संस्थापक पॉल ऑक्सटन कहते थे कि जब तक आपके भीतर प्रकृति के बीच रह रहे जंगली जीवों के प्रति ढ़ेर सारा प्यार, दया और लगाव नहीं रहेगा, तब तक आप सच्चा सुख हासिल नहीं कर पाएंगे। मानव जाति को यह समझना होगा कि पशुओं का जीवन किसी भी तरह से हमारे जीवन से कम कीमती नहीं है। जैव विविधता के जनक' के नाम से विख्यात आधुनिक काल के डार्विन कहे जाने वाले हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व जीवविज्ञानी और पुलित्जर पुरस्कार विजेता ईओ विल्सन के अनुसार पृथ्वी पर प्रत्येक प्रजाति अत्यधिक देखभाल एवं प्रतिभा के साथ बनाई गई रचना और एक उत्कृष्ट कृति है। वन्यजीव फोटोग्राफर, प्रकृतिवादी और जॉय ऑफ बीयर्स' सहित कुछ पुस्तकों की लेखिका सिल्विया डोल्सन कहती हैं कि हमारी ही तरह जानवर भी प्यार, खुशी, डर और दर्द महसूस करते हैं लेकिन वे बोले गए शब्द को समझ नहीं पाते, अतः यह हमारा दायित्व है कि हम उनकी ओर से बोलें और सुनिश्चित करें कि उनकी भलाई और जीवन का सम्मान एवं सुरक्षा हो। इसके लिए प्रकृति और पशुओं के साथ अपने संबंधों में मनुष्य को सभ्य बनाना आवश्यक है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

इजराइली सैनिकों ने अपने कब्जे में लिया फ्लोटिला,ग्रेटा थनबर्ग तथा कई यूरोपीय सांसद सुरक्षित

दीर अल बलाह (गाजा पट्टी)। तीन अक्टूबर (एपी) गाजा के इजराइली घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे फलस्तीनियों के लिए मानवीय सहायता ले जा रहा एक बड़े जहाज (फ्लोटिला) को इजराइली सैनिकों ने अपने कब्जे में ले लिया है और उसमें सवार जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग तथा कई यूरोपीय सांसदों के निर्वासन की ''प्रक्रिया'' शुरू करने के लिए उन्हें इजराइल ले जाया जा रहा है। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। इजराइली नौसेना के सैनिक गाज़ा की नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहे एक बेड़े (फ्लोटिला) के अधिकतर जहाज़ों पर चढ़ गए और दर्जनों कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। 'द ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला' नामक इस काफिले में लगभग 50 छोटे जहाज शामिल हैं, जिन पर करीब 500 लोग सवार हैं। यह काफिला गाजा के घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे फलस्तीनियों के लिए मानवीय सहायता ले जा रहा था, जिसमें मुख्य रूप से खाद्य सामग्री और दवाइयां शामिल हैं। इस बीच गाजा पट्टी में इजराइली हमलों और गोलीबारी में कम से कम 57 फलस्तीनी मारे गए। इजराइल ने यह हमला ऐसे वक्त किया है जब हमास ने लगभग दो साल से जारी युद्ध को समाप्त कराने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्ताव पर फिलहाल कोई निर्णय नहीं लिया है।

ट्रंप ने जो योजना पेश की है उसके तहत हमास को सभी 48 बंधकों को वापस करना होगा और सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों की रिहाई और लड़ाई समाप्त करने के बदले में सत्ता छोड़नी होगी और निरस्त्रीकरण करना होगा। ट्रंप के इस प्रस्ताव को इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने स्वीकार कर लिया है लेकिन इस प्रस्ताव में फलस्तीन को देश के तौर पर मान्यता देने के बारे में कोई बात नहीं कही गई है। फलस्तीन के लोग चाहते हैं कि युद्ध समाप्त हो जाए लेकिन कई लोगों का मानना है कि ट्रंप की शांति योजना इजराइल के पक्ष वाली हैं। हमास के एक अधिकारी ने 'एसोसिएटेड प्रेस' से कहा प्रस्ताव की कुछ शर्तें अस्वीकार्य हैं, हालांकि उन्होंने उन शर्तों में बारे में विस्तार से कोई जानकारी नहीं दी। दो प्रमुख मध्यस्थ देशों कतर और मिस्र ने भी कहा कि कुछ मुद्दों पर और बातचीत की आवश्यकता है। नासिर अस्पताल के अनुसार दक्षिणी गाजा में इजराइली गोलीबारी में कम से कम 29 लोग मारे गए। वहां के अधिकारियों ने बताया कि उनमें से 14 लोग उस स्थान पर मारे गए जिसे इजराइली सैन्य गलियारे के तौर पर जाना जाता है और जहां लोगों को जरूरत का सामान दिया जाता है।

मध्य शहर दीर अल-बलाह के अल-अक्सा शहीद अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि इजराइली हमलों में 16 लोग मारे गए हैं जिनके शव अस्पताल लाए गए। 'डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' ने कहा कि उनके एक व्यावसायिक चिकित्सक की दीर अल-बलाह में बस का इंतज़ार करते समय एक हमले में मौत हो गई और चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस अंतरराष्ट्रीय संस्था ने 42 वर्षीय चिकित्सक उमर हायेक को ''अत्यंत दयालु और पेशेवर चिकित्सक'' करार दिया। गाजा सिटी में शिफा अस्पताल के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि पांच शव और कई घायल अस्पताल लाए गए।अन्य अस्पतालों ने इजराइली गोलीबारी में सात और लोगों की मौत की सूचना दी है।

राहुल गांधी संविधान की ताकत में भरोसा नहीं करते : फड़णवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने कोलंबिया में एक बातचीत के दौरान लोकतंत्र पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी की आलोचना करते हुए शुक्रवार को कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की दादी इंदिरा गांधी ने भारत में निरंकुशता लाने की कोशिश की थी।

फड़णवीस ने मुंबई में 'साइबर जागरूकता माह' कार्यक्रम का उदघाटन करने के बाद संवाददाताओं से कहा, राहुल गांधी भारत के संविधान की ताकत में विश्वास नहीं करते। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें भारत का इतिहास नहीं पता। उन्होंने कहा, उनकी (राहुल की) दादी इंदिरा गांधी ने संविधान में बदलाव करके देश में निरंकुशता लाने की कोशिश की, लेकिन भारतीयों ने उन्हें नकार दिया।

फड़णवीस ने कहा, यह डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा भारतीयों को दिया गया संविधान है। किसी में भी इसे कमजोर करने की शक्ति नहीं है। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी ''लगातार झूठ बोलते'' हैं।

कोलंबिया के मेडेलिन स्थित ईआईए विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा था कि चीन की तुलना में भारत की प्रणाली कहीं अधिक जटिल है और भारत की ताकत पड़ोसी देश से काफी अलग है।

विपक्ष के नेता ने कहा था,''मैं भारत को लेकर बहुत आशावादी हूं, लेकिन साथ ही, भारतीय ढांचे में कुछ कमियां भी हैं, कुछ जोखिम भी हैं जिनसे भारत को पार पाना होगा। सबसे बड़ा जोखिम भारत में लोकतंत्र पर हो रहा हमला है। उन्होंने आरोप लगाया, वर्तमान में, भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था पर व्यापक हमला हो रहा है, इसलिए यह एक जोखिम है। दूसरा बड़ा जोखिम है विभिन्न विचारधाराएं -- विभिन्न धर्म, विभिन्न भाषाएं। इन विभिन्न परंपराओं को फलने-फूलने देना, उन्हें खुद को व्यक्त करने के लिए स्थान देना भारत जैसे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हम वह नहीं कर सकते जो चीन करता है, यानी लोगों का दमन करना और एक अधिनायकवादी व्यवस्था चलाना।

फड़णवीस ने सत्तारूढ़ भाजपा पर हमले के लिए शिवसेना(उबाठा)नेता उद्धव ठाकरे पर भी निशाना साधा।

शिवसेना(उबाठा) अध्यक्ष ठाकरे ने मुंबई में आयोजित पार्टी की दशहरा रैली को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)की तुलना 'एकल-कोशिका वाले जीव अमीबा' से की थी।

इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए फड़णवीस ने ठाकरे को 'निराश नेता' करार दिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, कल उन्होंने जो भी टिप्पणी की, उससे वास्तव में मेरे 1,000 रुपए बच गए। मैंने कहा था कि अगर वह विकास के बारे में एक भी शब्द बोलेंगे तो मैं 1,000 रुपए खर्च करूंगा।

फिल्म 'भागवत चैप्टर वन: राक्षस' का 14 अक्टूबर को होगा जी5 पर प्रीमियर

नयी दिल्ली/एजेन्सी

ओटीटी मंच 'जी 5' ने शुक्रवार को घोषणा की कि अरशद वारसी और जितेंद्र कुमार अभिनीत फिल्म भागवत चैप्टर वन: राक्षस का प्रीमियर 17 अक्टूबर को इसी मंच पर होगा। 'बावेजा स्टूडियोज' और 'डॉग 'एन' बोन पिक्चर्स' के साथ मिलकर 'जियो स्टूडियोज' द्वारा बनायी गयी यह फिल्म उत्तर प्रदेश के रॉबर्ट्सगंज की पृष्ठभूमि पर आधारित एक थ्रिलर कहानी है। इसका निर्देशन अक्षय शेरे ने किया है। इस फिल्म में वारसी को पुलिस निरीक्षक विश्वास भागवत के रूप में दिखाया गया है, जो एक परेशान पुलिस अधिकारी है एवं कई क्रूर हत्याओं की जांच कर रहा है। इसमें 'पंचायत' वेबसीरीज के कलाकार जितेंद्र कुमार नये आश्चर्यजनक रूप में हैं और उन्होंने समीर नामक युवक की भूमिका निभायी है।

'मेरी बेटी से मांगी थी अश्लील फोटो...' साइबर क्राइम पर अक्षय कुमार ने देवेंद्र फड़णवीस से की खास अपील

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई में साइबर जागरूकता माह अक्टूबर 2025 का शुभारंभ हुआ, जहां महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस और बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार को देखा गया। कार्यक्रम का आयोजन महाराष्ट्र पुलिस मुख्यालय में हुआ, जहां अक्षय कुमार ने अपनी बेटी के साथ हुई साइबर क्राइम की घटना का जिक्र किया और देवेंद्र फड़णवीस से विनती करते हुए कहा कि हर स्कूल में बच्चों को 'साइबर' को सब्जेक्ट के तौर पर पढ़ाया जाए। अक्षय कुमार ने कार्यक्रम में कहा, मैं आपको उस घटना के बारे में बताना चाहता हूं जो कुछ महीनों पहले मेरे घर में घटी थी। मेरी बेटी ऑनलाइन गेम खेल रही थी और उस गेम में कई लोग शामिल होते हैं जिन्हें हम नहीं जानते। वहां से मैसेज आता है, 'बहुत अच्छा खेला, वेरी गुड,' और फिर सवाल आता है कि 'तुम कहां रहती हो?' मेरी बेटी ने लोकेशन बता दी। फिर कुछ दिन सब कुछ नॉर्मल हो गया, और फिर मैसेज आता है'मेल हो या फीमेल?' मेरी बेटी उसका भी जवाब देती है। उसके बाद वो अचानक उससे अश्लील फोटोज की डिमांड करता है और मेरी बेटी इस बारे में मेरी पत्नी को बताती है। एक्टर आगे कहते हैं, ये अच्छा हुआ कि मेरी बेटी ने अपनी मां से ये परेशानी शेयर की..लेकिन कुछ केस में ये नहीं हो पाता है। ये भी एक तरह का साइबर क्राइम है और ऐसे ही शुरुआत होती है मैं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस से रिक्वेस्ट करता हूं, जैसे स्कूलों में बच्चे हिस्ट्री सीखते हैं, मैथ्स सीखते हैं..ऐसे ही बच्चों को साइबर के बारे में पढ़ाया जाए। डिजिटल वर्ल्ड की जानकारी के लिए बच्चों को ये जानना बहुत जरूरी है।

बता दें कि अक्षय कुमार की बेटी नितारा 12 साल की हैं। एक्टर मीडिया की नजरों से अपनी बेटी को हमेशा बचाकर रखते हैं।

जवानों से मिले सुनील शेट्टी, देश के प्रति समर्पण और हार्डवर्क को लेकर की बात

मंगलुरु/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने फिल्म बॉर्डर और एलओसी: कारगिल में सैनिक का किरदार निभाकर अपने फैंस के बीच अलग पहचान बनाई थी। एक मुलाकात के दौरान अभिनेता ने सीआईएसएफ जवानों के साथ उनके हार्डवर्क, देश के प्रति समर्पण, फिटनेस, डिसिप्लिन और वर्क-लाइफ बैलेंस जैसे मुद्दों पर खुलकर बात की। सुनील शेट्टी गांधी जयंती के अवसर पर सीआईएसएफ यूनिट एएसजी मंगलुरु गए थे। अभिनेता ने सीआईएसएफ कर्मियों के अदम्य साहस को सलाम किया। अभिनेता ने सीआईएसएफ के जवानों के साथ फोटो भी खींची।

अभिनेता को दशहरा के मौके पर आयोजित एक इवेंट में देखा गया था, जहां उन्होंने स्टेज पर मौजूद कलाकारों का हौसला बढ़ाया और फिर मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे। सुनील शेट्टी ने फैंस को दशहरा की बधाई देते हुए लिखा, दशहरा सिर्फ एक त्योहार नहीं है... यह मेरी जड़ों की ओर वापसी है... पीली नालिके की दहाड़ तक, देवी मंदिर की शांति, और मूल्यों की आग मैं अपने अंदर लेकर चलता हूं... जहां संकल्प श्री राम सा हो... वहां हर रावण की हार तय है।

अभिनेता के इस पोस्ट को फैंस ने खूब सराहा गया और उन्होंने खुलकर पोस्ट की तारीफ की।

वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्टर फिल्मों से लेकर वेब सीरीज तक में सक्रिय हैं। उनकी बैक-टू-बैक कई फिल्में आ रही हैं। अभिनेता की 'हेरा-फेरी-3,' 'केसरी वीर' और 'वेलकम टू द जंगल' जैसी फिल्में आने वाली हैं। ये सभी फिल्में अगले साल 2026 में फ्लोर पर आएंगी। फिल्मों की शूटिंग पूरी हो चुकी है, जबकि एक्टर की रोमांटिक ड्रामा 'इन गलियों में,' 'नादानियां'' और 'धारावी बैंक' जैसी फिल्में रिलीज हो चुकी हैं।

एक्टर ने साल 1992 में फिल्म 'बलवान' से फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था। ये फिल्म एक एक्शन से भरपूर ड्रामा फिल्म थी। पहली ही फिल्म के बाद इंडस्ट्री में एक्टर ने खुद की एक्शन हीरो के तौर पर पहचान बना ली, जिसके बाद एक्टर को 'रक्षक', 'टक्कर', 'विनाशक', 'टैंगो चार्ली' और 'शूट आउट एट लोखंडवाला' जैसी फिल्मों में देखा गया। सुनील शेट्टी ने अपनी फिल्मों के लिए अवॉर्ड भी जीते। एक्टर को फिल्म 'धड़कन' के लिए बेस्ट विलेन का फिल्मफेयर अवॉर्ड और 2011 में फिल्म 'रेड अलर्ट' के लिए बेस्ट एक्टर का स्टारडस्ट सर्चलाइट अवॉर्ड मिला था।

मैं मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से कभी नहीं डरी : दीपिका पादुकोण

मुंबई/एजेन्सी

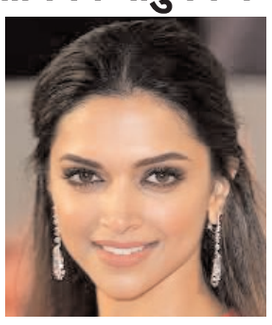

हाल ही में आईएमडीबी की पिछले 25 वर्षों में 'भारतीय सिनेमा की सबसे अधिक चर्चित हस्तियों' की सूची जारी हुई थी। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने इसमें टॉप पांच में जगह बनाई थी। दीपिका ने कहा कि उन्हें अक्सर बताया जाता था कि एक महिला के रूप में उन्हें अपने करियर की राह कैसे तय करनी चाहिए, लेकिन वह कभी भी मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से नहीं डरीं। इस सूची में शाहरुख खान पहले स्थान पर रहे, आमिर खान और ऋतिक रोशन दूसरे स्थान पर रहे, और दीपिका पादुकोण तीसरे स्थान पर रहीं।

दीपिका पादुकोण ने एक इंटरव्यू में कहा, जब मैंने अपना सफर शुरू किया था, तो मुझे अक्सर बताया जाता था कि सफल होने के लिए एक महिला को अपना करियर कैसे तय करना चाहिए या उससे क्या अपेक्षा की जाती है। हालांकि, शुरू से ही मैं सवाल पूछने, लोगों को नाराज करने, मुश्किल रास्ते पर चलने और मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से कभी नहीं डरी ताकि हम सभी से जिस ढांचे में ढलने की उम्मीद की जाती है, उसे नया रूप दे सकूं।

इसके साथ ही दीपिका पादुकोण ने फैंस को उनके फैसलों के साथ खड़े रहने के लिए धन्यवाद भी कहा। दीपिका ने आगे कहा, मेरे परिवार, प्रशंसकों और सहयोगियों का मुझ पर जो भरोसा रहा, उसने मुझे अपने फैसले लेने और चुनने की हिम्मत दी है। मुझे उम्मीद है कि यह रास्ता आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा बदलाव लाएगा। भारतीय सिनेमा के 25 सालों पर आईएमडीबी की रिपोर्ट इस विश्वास को मजबूत करती है कि ईमानदारी, प्रामाणिकता और लचीलापन महत्वपूर्ण हैं, और अपने मूल सिद्धांतों पर डटे रहकर बदलाव लाना संभव है।

बता दें कि हाल ही में दीपिका पादुकोण को फिल्म 'कल्कि एडी 2898' से बाहर किया गया था। इसके बाद उन्होंने एक क्रिप्टिक पोस्ट में अपने फैसलों के साथ खड़े होने की बात कही थी। इससे पहले उन्हें संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म से भी हटाया गया था।

फिल्म निर्देशक कानु बहल की फिल्म 'आगरा' नवंबर में रिलीज होगी

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्देशक कानु बहल की समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फीचर फिल्म 'आगरा' देश भर के सिनेमाघरों में 14 नवंबर को रिलीज होगी। निर्माताओं ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। इस फिल्म की पटकथा बहल और अतिका ङ्कचौहान ने तैयार की है। फिल्म की कहानी एक परिवार के भीतर यौन जटिलताओं से संबंधित है। फिल्म का वैश्विक स्तर पर पहली बार प्रदर्शन वर्ष 2023 के कान फिल्म फेस्टिवल के स्वतंत्र खंड 'डायरेक्टर्स फोर्टनाइट' में किया गया और इसने 'जियो मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल' में विशेष जूरी पुरस्कार, 'इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न' में बेस्ट इंडी फिल्म एवं सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और 2024 में 'न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल' में सर्वश्रेष्ठ फिल्म एवं सर्वश्रेष्ठ अभिनेता समेत कई पुरस्कार जीते हैं।

यह फिल्म भारत और फ्रांस की कंपनियों की साझेदारी से बनी है जिसमें सारेगामा इंडिया लिमिटेड, यूएफओ प्रोडक्शन और ओ28 फिल्म्स ने सहयोग किया है। 'आगरा' निर्देशक बहल की 'तितली' (2015) के बाद दूसरी फीचर फिल्म है।

इस फिल्म के साथ वापसी कर रहे कलाकारों में राहुल रॉय के साथ 'लायन' फेम प्रियंका बोस, अपनी पहली फिल्म कर रहीं मोहित अग्रवाल, दक्षिण अभिनेता रूहानी शर्मा और अनुभवी कलाकार विभा छिब्बर, सोनल झा और आंचल गोस्वामी शामिल हैं। बहल ने एक बयान में कहा कि शायद फिल्म 'आगरा' का निर्माण उनके जीवन की अब तक की सबसे कठिन यात्रा रही है। सारेगामा इंडिया लिमिटेड के फिल्म्स एवं इवेंट्स के कार्यकारी उपाध्यक्ष सिद्धार्थ आनंद कुमार ने कहा कि कंपनी यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि भारतीय दर्शकों को ऐसी फिल्में देखने को मिलें।

पहले का फैशन था बिना टेंशन वाला : करीना

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान ने हाल ही में अवॉर्ड्स नाइट की पुरानी यादें साझा कीं। उन्होंने इसकी एक तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में फैंस के साथ शेयर की है। यह तस्वीर 42वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स की है, जिसमें वह बॉलीवुड अभिनेता अक्षय खन्ना के साथ पहली पंक्ति में बैठी दिखाई दे रही हैं। इस फोटो में वह सिंपल लुक में नजर आ रही हैं, जैसे वह किसी घर की पार्टी में गई हैं। इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, जब हम अपनी पोलो नेक और जैकेट पहनते थे और आराम से बैठकर अभिनेताओं को अपनी ब्लैक लेडी (अवॉर्ड) का स्वागत करते देखते थे।उन्होंने इसके जरिए यह बताया कि तब के दौर में फैशन कितना सरल और सहज हुआ करता था। आज तो एक स्टार के लुक के लिए पूरी टीम होती है, क्या पहनना है और क्या नहीं, इसकी प्लानिंग कई दिनों पहले से ही की जाती है। तब महंगे स्टाइलिश और डिजाइनर आउटफिट्स का जमाना नहीं था। इसमें उन्होंने अपनी बहन करिश्मा कपूर की फिल्म का गाना 'आए हो मेरी जिंदगी में' भी लगाया है। इस फोटो की खास बात यह है कि इसमें अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन भी उनके पीछे बैठे दिख रहे हैं। उन दोनों ने भी पारंपरिक भारतीय कपड़े पहने हुए हैं। करीना की इस पोस्ट ने फैंस को उन दिनों की याद दिला दी जब करीना कपूर और अक्षय खन्ना की जोड़ी हलचल फिल्म में दिखाई दी थी। यह फिल्म 2003 में रिलीज हुई थी। वर्क फ्रंट की बात करें तो, करीना कपूर खान अब अपनी आने वाली फिल्म दायरा में शूटिंग में जुटी हैं। इसे मशहूर फिल्म निर्माता मेघना गुलजार डायरेक्ट कर रही हैं। दोनों की जोड़ी को साथ काम करने को लेकर फैंस अभी से ही बहुत उत्साहित हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग की कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थीं। इसमें फिल्म के कुछ अहम सीन्स को फिल्माते हुए अभिनेत्री को देखा गया था। इस फिल्म में करीना के अलावा अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में हैं। वह इसमें पुलिस अफसर के किरदार में नजर आएंगे। 'दायरा' एक क्राइम-ड्रामा थ्रिलर फिल्म है।

फिल्म 'द ताज स्टोरी' के निर्माताओं ने स्पष्टीकरण जारी किया

नयी दिल्ली/एजेन्सी

अभिनेता परेश रावल की आगामी फिल्म 'द ताज स्टोरी' के पोस्टर में उन्हें ताजमहल का गुंबद हटाते और उसमें से भगवान शिव की मूर्ति निकलते हुए दिखाए जाने को लेकर भारी विवाद खड़ा हो गया है। इस पर फिल्म निर्माताओं ने कहा कि यह फिल्म 'किसी धार्मिक मामले से संबंधित नहीं है।' 'स्वर्णिम ग्लोबल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड' के बैनर तले बन रही इस फिल्म का निर्देशन तुषार अमरीश गोयल ने किया है। उसका निर्माण सीए सुरेश झा ने किया है। रावल और फिल्म निर्माताओं ने सोमवार को फिल्म का पोस्टर जारी किया। पोस्टर के शीर्षक में लिखा है, क्या होगा अगर आपको जो कुछ भी पढ़ाया-सिखाया गया है वह सब झूठ हो? सच सिर्फ छिपाया नहीं गया है, उसे परखा भी जा रहा है। 31 अक्टूबर को अपने नज़दीकी सिनेमाघरों में 'द ताज स्टोरी' के साथ सच्चाई को जानिए। इस पर तीखी प्रतिक्रिया हुई और कई सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने इसे 'दुष्प्रचार' और 'फर्जी' करार दिया है।

'स्वर्णिम ग्लोबल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड' ने कुछ ही देर बाद एक बयान जारी कर इसका जवाब दिया। उसने कहा, फिल्म 'द ताज स्टोरी' के निर्माता स्पष्ट करते हैं कि यह फिल्म किसी भी धार्मिक मुद्दे से संबंधित नहीं है, न ही यह दावा करती है कि ताजमहल के अंदर कोई शिव मंदिर है। यह पूरी तरह से ऐतिहासिक तथ्यों पर केंद्रित है। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप फिल्म देखें और अपनी राय बनाएं। लेकिन बहस थमने का नाम नहीं ले रही है। कई लोगों ने कहा कि यह हाल में रिलीज हुई 'द उदयपुर फाइल्स' और 'द बंगाल फाइल्स' जैसी फिल्मों के बाद सिनेमा में 'प्रोपगैंडा' का नवीनतम उदाहरण प्रतीत होता है। एक व्यक्ति ने 'एक्स' पर लिखा, पोस्टर को देखकर ऐसा लगता है कि यह ताजमहल को एक धार्मिक स्थल के रूप में चित्रित करने का प्रयास है। ताजमहल दो प्रेमियों की कब्र है। इससे ज़्यादा कुछ नहीं।

एक अन्य ने 'एक्स' पर लिखा, मध्य काल में, भारत आए सभी यूरोपीय यात्रियों, चाहे वे फ्रांस्वा बर्नियर हों, जीन-बैप्टिस्ट टैवर्नियर हों या पीटर मुंडी, सभी ने ताजमहल को मंदिर नहीं, बल्कि शाहजहां द्वारा निर्मित एक मकबरा बताया था। एक अन्य उपयोगकर्ता ने 'द ताज स्टोरी' जैसी फिल्म बनाने के लिए रावल की आलोचना की। उसने कहा, क्या पतन है सर, परेश रावल, 'ओह माई गॉड' से नकली 'द ताज स्टोरी' तक आ गये। उसका इशारा 2012 में आई समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म 'ओह माई गॉड' की ओर था, जिसमें उन्होंने एक नास्तिक वकील की भूमिका निभाई थी, जिसने ईश्वर पर मुकदमा किया था। एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर लिखा, फिल्म 'द ताज स्टोरी' उस खारिज किए गए दावे को फिर से जीवित करती है कि ताजमहल कभी एक हिंदू मंदिर था। इतिहासकार इसे छद्म इतिहास बताकर खारिज करते हैं, लेकिन आलोचकों को डर है कि यह सांप्रदायिक विभाजन को बढ़ावा देगा। ताज 17वीं सदी की मुगलकालीन कृति है - भारत की साझा विरासत।

रावल 2014 से 2019 तक अहमदाबाद पूर्व से भाजपा सांसद थे। हालांकि फिल्म की कथानक अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन निर्माताओं ने पहले एक बयान में कहा था कि यह फिल्म 'ताजमहल के 22 बंद दरवाजों के पीछे छिपे सवालों और रहस्यों' को उजागर करती है। निर्माताओं ने दावा किया कि फिल्म 'भारतीय इतिहास के एक ऐसे अध्याय को प्रस्तुत करने का वादा करती है, जिसे पहले कभी किसी ने प्रस्तुत करने की हिम्मत नहीं की।' इसी साल 14 अगस्त को, 70 वर्षीय रावल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म का एक छोटा सा दृश्य साझा किया था। उन्होंने इसके शीर्षक में लिखा था, आज़ादी के 79 साल बाद भी क्या हम बौद्धिक आतंकवाद के गुलाम हैं? अदालत के दृश्य में रावल जिस किरदार में न्यायाधीशों के सामने बहस कर रहे हैं, उसे यह कहते हुए दिखाया गया, आजादी के 78 साल बाद भी हमारी सोच, नजरिया उन्हीं लोगों के तलवे चाट रहा है, जिन्होंने लेश मात्र संकोच नहीं किया, हमारी पूरी सुरक्षा को खत्म करने की, हमारे अस्तित्व को मिटाने की। यह किरदार कहता है, यदि हम उन्हें आज नहीं उठाते, तो हमारा इतिहास और हमारा अस्तित्व सिर्फ सवाल बनकर रह जाएंगे। 'द ताज स्टोरी' में जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ और नमित दास जैसे अन्य कलाकार भी हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शनिवार | 04-10-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

कराबी निगम क्षेत्रीय कार्यालय में राजभाषा पखवाड़ा का हुआ समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (कराबी) के क्षेत्रीय कार्यालय में राजभाषा पखवाड़ा समापन-सह-पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यालय में राजभाषा पखवाड़ा 14 से 29 सितंबर तक आयोजित हुआ जिसमें तमिलनाडु की प्रसिद्ध हिंदी प्रचारक डॉ. राजलक्ष्मी कृष्णन् मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित थी। जिन्हें गृह मंत्री अमित शाह ने वर्ष 2025 के राजभाषा स्वर्ण जयंती समारोह में हिंदी के प्रचार-प्रसार में उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय निदेशक ए. वेणुगोपाल अल्वरी ने सभी से राजभाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने की अपील की। इस कार्यक्रम में प्रेरक वक्तव्यों के साथ पुरस्कार वितरण हुआ तथा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस अवसर पर कार्यालय की गृह पत्रिका 'चेन्नई लहर' के 19वें अंक का भी विमोचन किया गया।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अग्रवाल सभा चेन्नई के सानिध्य मे अग्रसेन जयंती का आयोजन एसआरकेके भवन, अन्ना नगर में संपन्न हुआ। समारोह में समाज के गणमान्य व्यक्तियों, बच्चों और अग्रवाल समुदाय के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें सभा अध्यक्ष विजय गोयल, सचिव बाल गोविन्द गुप्ता, अशोक केडिया, सीताराम गोयल, मुख्य अतिथि आईपीएस अधिकारी एस.के. सेंथील कुमार और विशिष्ट अतिथि एसके मित्तल ने भाग लिया। विजय गोयल ने स्वागत उदगार व्यक्त करते हुए महाराजा अग्रसेन के आदर्शों और उनके द्वारा स्थापित समाजिक मूल्यों का उल्लेख किया।

मुख्य अतिथि सेंथिल कुमार ने समारोह की भूरी-भूरी प्रशंसा की और अग्रवाल संस्कृति के संरक्षण एवं प्रचार में इसके महत्व को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों और युवाओं में सांस्कृतिक जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करते हैं। उनके कर कमलों से ऑनलाइन जन्माष्टमी और गणेश चतुर्थी प्रतियोगिता, मेरीटोरियस अवार्ड, स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अवार्ड, टीएएस अवार्ड, और फैन्सी ड्रेस पुरस्कार वितरित किए गए। सचिव बाल गोविन्द गुप्ता ने सभा का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और उन्होंने घोषणा की कि यदि किसी अग्रवाल बच्चे को भविष्य में शिक्षा या खेल में आर्थिक सहायता की आवश्यकता होगी, तो सभा हमेशा उनका समर्थन करेगी। मंच संचालन का कार्यभार अग्रवाल महिला समिति की अध्यक्ष सुनीता खेमका ने संभाला।

बच्चों ने विविध पर्वों और परंपराओं पर आधारित आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम में तुलसी विवाह, शिव तांडव और रासलीला विशेष रूप से मनमोहक रहे। कार्यक्रम का संचालन नेहा अग्रवाल, ऋतु पिटी और प्राची रामगढ़िया ने किया। मेरीटोरियस और स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अवार्ड का वितरण चेयरपर्सन संतोष गोयल, योगी सराफ और को-चेयरपर्सन आशीष गुप्ता की देखरेख में संपन्न हुआ। यह पहल बच्चों को आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए प्रोत्साहित करती है। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य व्यक्तियों जैसे महावीर गुप्ता, सजन रुंगटा, मंजू जालान, कल्पना भलोठीया, आरती रामगढ़िया, उषा अग्रवाल, अनुराधा गुप्ता, और दीप्ति अग्रवाल ने उपस्थित होकर समारोह की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन सचिव मनोज गोयल द्वारा किया गया।

अग्रवाल समाज के सावरमल खेमका अध्यक्ष एवं पराशर लोहिया महासचिव बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री अग्रवाल समाज (मद्रास) भवन में समाज की 29वीं साधारणसभा का आयोजन किया गया। 30 सितम्बर को आयोजित इस बैठक में समाज की नई टीम की घोषणा की गई। जिसमें सर्वसम्मति से सावरमल खेमका को अध्यक्ष एवं पराशर लोहिया को महासचिव बनाया गया। इससे पूर्व समाज के निवर्तमान अध्यक्ष मुरारीलाल सौंथालिया ने स्वागत भाषण दिया।तथा विगत वर्ष की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। निवर्तमान महासचिव हरीशकुमार लोहिया ने सत्र 2023-2025 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष विवेक अग्रवाल ने वर्ष का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। सभी ध्वनिमत से वार्षिक रिपोर्ट को स्वीकृत किया। सत्र 2025-2027 की टीम चुनी गई।

जिसमें अध्यक्ष सांवरमल खेमका, उपाध्यक्ष सुरेन्द्र केडिया, उपाध्यक्ष एसके तोदी, महासचिव पराशर लोहिया, संयुक्त सचिव राजेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विवेक अग्रवाल को बनाया गया। कार्यकारिणी समिति में उर्मिला सराफ, सुमित कुमार पोद्दार, महादेवलाल खेमका, अजय मोदी, शालिनी अग्रवाल, वासुदेव अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, गौरव जैन, चन्द्रप्रकाश मोदी, एवं गोपाल सरावगी को चुना गया। इन सभी पदाधिकारियों का चयन अधिकारी मुकेश गुप्ता ने किया। अध्यक्ष पद की शपथ लेने के बाद खेमका ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता समाज सेवा एवं शिक्षा को बढावा देने का रहेगा। इस अवसर पर सलाहकार समिति के अध्यक्ष सज्जनकुमार रुंगटा एवं बगाडिया के साथ-साथ कई समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

एससीआई में स्वच्छता पखवाड़ा का हुआ समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय नौवहन निगम लिमिटेड (एससीआई) चेन्नई शाखा कार्यालय ने स्वच्छता पखवाड़े का समापन हुआ। गत 15 सितम्बर से शुरु हुए इस कार्यक्रम का समापन 30 सितम्बर को किया गया। इस अवसर की महत्ता और उपयोगिता को रेखांकित करने हेतु कामराजार पोर्ट लिमिटेड के महाप्रबंधक यतिन पटेल जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

शुरुआत शपथ ग्रहण समारोह से हुई, जिसका नेतृत्व क्षेत्रीय प्रमुख मदन पाल सिंह ने किया। इस अवसर पर एस.सी.आई. चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारीगण उपस्थित रहे। पूरे पखवाड़े के दौरान, एस.सी.आई. चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय परिसर में गहन स्वच्छता अभियान चलाए गए, जिनका विशेष ध्यान कार्यस्थलों, शौचालयों एवं सामान्य क्षेत्रों पर केंद्रित रहा, ताकि स्वच्छता और कार्यस्थल की दक्षता में वृद्धि की जा सके। कार्यालय परिसर के अलावा, स्वच्छता के प्रचार एवं प्रसार को विस्तृत करने के उद्देश्य से, एनोर समुद्र तट क्षेत्र में स्वच्छता अभियान एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता और स्वास्थ्यवर्धक वातावरण के महत्व को प्रोत्साहित किया गया। इसके अतिरिक्त, एक विशेष जागरूकता अभियान एमवी स्वराज द्वीप पोत पर आयोजित किया गया। जिसमें एकल-उपयोग प्लास्टिक के प्रयोग को रोकने पर जोर दिया गया तथा जहाज़ के कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई। स्वच्छता विषय पर रचनात्मकता और सहभागिता को बढ़ावा देने हेतु, एससीआई चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय ने निबंध लेखन, पोस्टर निर्माण, सबसे स्वच्छ फ्लोर/सेक्शन तथा स्लोगन लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिसमें सभी अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इस अभियान की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

करणी माता का जन्मोत्सव मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां तमिलनाडु चारण समाज चेन्नई के तत्वाधान में श्री करणी माताजी का 638वाँ जन्मोत्सव को मनाया गया।

हिंगलाजदान चारण आकली ने बताया कि कार्यक्रम पूजा अर्चना के साथ शुरू हुआ। पंडित विकाश शर्मा और पवन शर्मा ने मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना करवाई। डांडिया एवं करणी माताजी के छंद एवं चिरजा का कार्यक्रम हुआ। 'चिरजाए श्रीकरणी जन्म भयो आज बधावो गांवा रे। एवं सातम री प्रभात सवारी देशाणै चाली जैसी चिरजाओं' की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में समाज के भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. रामसिंह लाखावत, स्व. हरिसिंह रतनू चौपासनी शिक्षा विभाग, एवं स्व.अचलदान लाखावत के निधन पर उन्हें दो मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अरविंद कुमार चारण अप्रेसर आफिसर कस्टम एवं विशिष्ट अतिथि जीएसटी इंस्पेक्टर योगेन्द्र देथा रहे। समाज के संरक्षक गौरूदान सांदु, अध्यक्ष रामसिंह नागसी, कोषाध्यक्ष करणसिंह लाखावत, महिपालसिंह मेहडू, धनेश चारण, निम्बदान सुरतानियां, मूलदान चारण, सुरेश, रमेश, सुरेंद्र सिंह सिणधरी आदि मौजूद रहे।

हिंदुस्तान चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स के 80 वें अध्यक्ष बने रमेश दुग्गड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां हिंदुस्तान चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स की हाल ही में आयोजित वार्षिक साधारण बैठक में सन 2025-26 के लिए दुग्गड फाइनेंस एंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रमेश दुग्गड को 80वें अध्यक्ष के रूप में चुना गया है। सन 1945 से सक्रिय हिंदुस्तान चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स के व्यापार एवं उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में एक हजार से अधिक सक्रिय सदस्य हैं। चैंबर्स का मुख्य उद्देश्य राज्य एवं केंद्र सरकार के साथ संपर्क स्थापित कर व्यवसायों का सुचारू संचालन करते हुए इसके सदस्यों में वृद्धि करते हुए सरकारी नीतियों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है। हिन्दुस्तान चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के 80 वें वर्ष में प्रवेश के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में तमिलनाडु के उद्योग मंत्री डॉ टी आर राजा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य के साथ सकारात्मक सहयोगात्मक वार्ता हेतु एचसीसी की स्थापना की गई थी उन्होंने राज्य सरकार की ओर से व्यापारिक संगठनों को पूर्ण समर्थन देने का भरोसा दिलाया।

नए अध्यक्ष रमेश दुग्गड ने इस अवसर पर कहा कि उनके आदर्श वाक्य 'उद्यम के माध्यम से प्रगति के पथ पर' आगे बढ़ते हुए व्यावसायिक विचारों के आदान प्रदान का मंच एचसीसी नई पीढ़ी के उद्यमियों का स्वागत करने के लिए उत्सुक है।

इस मंच पर वे अपनी सफलताओं संघर्षों को एक दूसरे के साथ साझा कर सकते है उन्होंने कहा कि एचसीसी के 80 वें वर्ष में हम उद्यमियों को वर्ष भर सेमिनारों, व्यापार नेटवर्किंग अवसरों, नीतिगत संवादों, प्रदर्शनियों के माध्यम से जान से परिपूर्ण विभिन्न अवसर उपलब्ध कराएंगे जो उनके व्यावसायिक हितों की रक्षा करते हुए प्रगति के अनेक अवसर प्रदान करेंगे।

हर घर से पाठशाला तक पहुंचे धर्म की सुवास- आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ ट्रस्ट में गुरुवार को आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी महाराज की पावन सान्निध्य में पाठशाला वार्षिकोत्सव दिवस समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर संघ ट्रस्ट द्वारा वर्षभर के श्रेष्ठ विद्यार्थियों, समर्पित शिक्षकों-शिक्षिकाओं तथा लाभार्थी परिवारों का सम्मान कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत पाठशाला के बालकों द्वारा प्रस्तुत गीत वन्दे शासनम् जिन शासनम और नृत्य से हुई, जिससे पूरा वातावरण भक्ति और संगीत से गूंज उठा। कुमारी प्राची ने पाठशाला के महत्व पर अपने भाव प्रकट किए। नन्हें-मुन्ने बच्चों ने नाटिका के माध्यम से यह संदेश दिया कि पाठशाला ही संस्कार और संस्कृति का वास्तविक आधार है। बच्चों ने गीत, नृत्य और कला की विविध प्रस्तुतियों से अपनी प्रतिभा का सुंदर प्रदर्श किया।

आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी ने प्रवचन में नवपद ओली पर्व पर उपाध्याय पद की महिमा बताते हुए कहा कि उपाध्याय वे हैं, जो पढ़ाने की जिम्मेदारी निभाते हैं। शिक्षक और उपाध्याय एक समान होते हैं, जो आचार्य और साधु को जोड़ने वाली कड़ी हैं। उपाध्याय को वंदन करते समय राग और लय में अहोभाव होना चाहिए। उन्होंने प्रेरणा स्वरुप कहा कि मन, वचन और काया तीन संयोगों में मन सबसे श्रेष्ठ है, इसलिए मन को जागरूक रखकर प्रत्येक को पाठशाला जाना चाहिए। यही संस्कारों का बीजारोपण करता है। आचार्य भगवंत ने पाठशाला के शिक्षकों व शिक्षिकाओं के समूह को मुनिसुव्रत श्रद्धा मंडल नाम देते हुए कहा कि सम्यक दर्शन ही श्रद्धा है और इसी से संघ का भविष्य उज्ज्वल होगा। उन्होंने पाठशाला के योगदान में मुनिसुव्रत युवा और महिला मंडल के प्रयासों की अनुमोदना व्यक्त की। संघ ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष नरेन्द्र साकरिया ने अपने उद्गार प्रकट करते हुए कहा कि बच्चे संघ के भविष्य की नींव हैं, हमें इस नींव को मजबूत बनाना है। उन्होंने संघ के सभी सदस्यों से अपने बच्चों को नियमित रूप से पाठशाला से जोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पाठशाला केवल ज्ञान का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार और संस्कृति का सजीव मंदिर है, जो संघ के उज्ज्वल भविष्य की नींव रख रहा है।

एक शाम श्री आशापुरा माताजी के नाम भजन संध्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माधावरम में रावत राजपूत समाज द्वारा नवरात्रि के अंतिम दिन एक विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें भजन गायक रमेश सीरवी मनली एंड पार्टी ने एक से बढ़कर एक भजनों कि प्रस्तुति दी साथ ही समस्त कार्यकारणी ने मंदिर कि सजावट और रोशनी से जगमगा कर दिया। अध्यक्ष हजारिसिंह चौहान, उपाध्यक्ष मदनसिंह पंवार, सचिव नारायणसिंह, कोषाध्यक्ष जालमसिंह, कालुसिंह, कैलाशसिंह अमरसिंह हेमसिंह बहादुरसिंह पूर्व अध्यक्ष हेमसिंह मलावत, पूर्व उपाध्यक्ष पूनमसिंह और समस्त रावत राजपूत समाज के युवाओं ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा डांडिया गरबा महोत्सव

चेन्नई। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा 2 अक्टूबर को कोला सरस्वती स्कूल के प्रांगण में डांडिया गरबा उत्सव मनाया। जिसमें बच्चे, बड़े, युवा मंडल अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, माहेश्वरी क्लब सचिव, महिला मंडल के सलाहकार समिति सदस्यों सहित लगभग 150 लोगों ने भाग लिया। गायक विशाल दवे एवं गणेश दवे की ऑर्केस्ट्रा टीम ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। मंडल की अध्यक्ष ममता बागड़ी ने सभी का स्वागत किया और धन्यवाद किया। पुष्पा मुंधड़ा जिन्होंने विजेताओं के लिए सभी उपहार स्पॉन्सर किए तथा अन्य सहयोगियों का आभार सचिव कुसुम मालपानी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम के समन्वयक शिवानी मूंधड़ा, सपना बिसानी, कीर्ति बागड़ी एवं तरुणा राठी थे।

जवानी में धर्म संभालो, बुढ़ापे में धर्म तुम्हें संभालेगा : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. के सान्निध्य में शुक्रवार को उत्तराध्ययन सूत्र आराधना का तीसरा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुनिश्री ने प्रवचन के दौरान जीवन, धर्म और धन के गहरे संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि असंस्कृत यानी जो एक बार टूट जाए, वह दोबारा जुड़ नहीं सकता। उसी प्रकार आयु की डोर एक बार टूट गई तो फिर कभी नहीं जुड़ सकती। उन्होंने समझाया कि वृद्धावस्था में कौन सहारा देगा? बेटा या बहू संभाल सकते हैं, लेकिन असली सहारा धर्म ही बनता है। यदि युवावस्था में धर्म को संभाला, तो वृद्धावस्था में धर्म हमें संभालेगा। लेकिन यदि जवानी में केवल भोगों को सँभालने में समय बर्बाद किया, तो बुढ़ापे में धर्म कैसे सहारा देगा? उन्होंने जीवन का यथार्थ बताते हुए कहा कि जैसे दाँत जवानी में साथ देते हैं, पर बुढ़ापे में साथ छोड़ देते हैं। आँखें पूरी जिंदगी सहारा बनी रहती हैं, पर वृद्धावस्था में वे भी जवाब दे देती हैं। शरीर, जो जीवन भर सहारा बनता है, अंत समय में वही शरीर भी भरोसेमंद नहीं रहता।

मुनिश्री ने आगे कहा कि मनुष्य पाप और अशुभ कर्मों से धन कमाता है। यदि गृहस्थ जीवन में धन न हो तो गृहस्थी नष्ट हो जाती है, और यदि धर्म न हो तो गृहस्थी भ्रष्ट हो जाती है। धन नहीं होगा तो नाश होगा, और धर्म नहीं होगा तो पतन होगा। उन्होंने कहा कि आज अधिकांश लोग धर्म को अपेक्षा के साथ करते हैं कि संसार सुखी होगा, धन मिलेगा। जबकि धर्म का पहला सूत्र है – दान। यदि गृहस्थ जीवन में दान है, तो पुण्य मिलेगा और पुण्य से धन आएगा। उन्होंने स्पष्ट किया- धर्म धन के लिए करो, लेकिन धन भी धर्म के लिए खर्च करो। हम धर्म से धन तो चाहते हैं, पर धन से धर्म नहीं चाहते। हम धर्म से अपनी जिंदगी बचाना चाहते हैं, पर जिंदगी को धर्म में लगाना नहीं चाहते। हम धर्म से परिवार को बचाना चाहते हैं, लेकिन परिवार को धर्म में लगाना नहीं चाहते। धर्म से धन पाना कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन धन से धर्म न करना सबसे बड़ी भूल है। संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.